E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 57 | प्रयागराज, गुरूवार 07 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका की होर्मुज से सुरक्षित जहाज निकालने की कोशिश बंद, ट्रम्प बोले- पाकिस्तान की अपील पर फैसला लिया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार रात अचानक 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' रोकने का ऐलान किया। अमेरिका ने सोमवार सुबह होर्मुज स्ट्रेट से औसतन 130 जहाज गुजरते थे। इससे कुछ ही घंटे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई पूरी कर ली

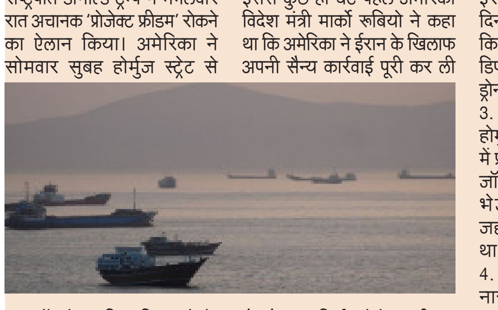

जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए यह ऑपरेशन शुरू किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से यह ऑपरेशन रोकने की अपील की गई थी। ईरान के साथ समझौते को लेकर बात आगे बढ़ी है, इसलिए यह फैसला लिया गया है। उधर ईरान के सरकारी मीडिया ने इसे अपनी जीत बताया। उनका कहना है कि ट्रम्प को पीछे हटना पड़ा क्योंकि वो इस रास्ते को खुलवाने में नाकाम रहे। अमेरिका इस ऑपरेशन के तहत सोमवार को 2 और मंगलवार को सिर्फ 1 जहाज सुरक्षित निकाल पाया था। जबकि जंग से पहले हर दिन होर्मुज से है और अब सिर्फ 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' पर ध्यान है। प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरू होने के बाद ईरान नाराज हो गया था। उसने चेतावनी दी थी कि उसकी इजाजत के बिना कोई जहाज इस रास्ते से नहीं गुजर सकता। इसके बाद ईरान ने होर्मुज में साऊथ कोरिया के एक जहाज पर हमला किया। साथ ही यूएई में भी मिसाइल हमले किए। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. होर्मुज पर यूएन में नया प्रस्तावः अमेरिका ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बहाल करने के लिए यूएनएससी में नया प्रस्ताव पेश किया है। इसमें ईरान से हमले, माइंस बिछाना और टोल वसूली तुरंत रोकने को कहा गया है। 2. यूएई पर फिर हमलाः- ईरान ने यूएई पर लगातार दूसरे दिन मिसाइल और ड्रोनों से हमला किया। यूएई ने कहा कि उसके डिफेंस सिस्टम ने मिसाइल और ड्रोन को आसमान में ही रोक लिया। 3. यूएसएस जॉर्ज बुश वॉरशिप होर्मुज पहुंचाः अमेरिका ने होर्मुज में प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत यूएसएस जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश वॉरशिप भेजा। इसका मकसद उन जहाजों को सुरक्षित निकालना था, जो होर्मुज में फंसे हुए हैं। 4. फुजैराह हमले के बाद भारत नाराजः भारत ने कहा कि तीन भारतीय नागरिकों का घायल होना पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत हिंसा रोकने की अपील की है। साथ ही कहा कि आम लोगों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। 5. चीन की देशी कंपनियों को धमकीः चीनी कंपनियों के खिलाफ एक्शन लेने के लिए वहां की सरकार ने एक कानून बनाया है। इसके तहत विदेशी प्रतिबंधों को मानने वाली कंपनियों पर कार्रवाई की जा सकती है। दरअसल, अमेरिका ने ईरान से व्यापार करने वाली कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है।

थलापति विजय का सीएम बनना तय, बस 11 कदम दूर,कांग्रेस के 5 विधायक तैयार,तोड़ जोड़ बाकि

चेन्नई। तमिलनाडु में थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) 108 सीटें जीतकर सबसे पार्टी की कोर कमेटी के साथ मीटिंग की। उन्होंने डीएमके अलायंस तोड़ने की जिम्मेदारी अपने सबसे करीबी

बड़ी पार्टी तो बन गई, लेकिन बहुमत से दूर है। सरकार बनाने के लिए 118 विधायक चाहिए। विजय दो सीटों पर जीते हैं, इसलिए एक सीट छोड़नी होगी, यानी टीवीके के पास 107 सीटें ही रहेंगी। कुल सीटें 233 हो जाएंगी, लेकिन बहुमत साबित करने का आंकड़ा 118 ही रहेगा। ऐसे में टीवीके को 11 विधायक और चाहिए। टीवीके के सोर्स बताते हैं कि गठबंधन के लिए दूसरी पार्टियों से बात चल रही है। 5 विधायकों वाली कांग्रेस से डील लगभग फाइनल है। बाकी 5 विधायकों के लिए वीसीके, सीपीआई और सीपीएम से बात हो रही है। तीनों पार्टियों के पास 2-2 विधायक हैं। विजय ने 5 मई को दिनभर सलाहकार एसए चंद्र को दी है। समर्थन देने वाली पार्टियों को कौन से मंत्रालय दिए जाएंगे, इस पर भी बात होने लगी है।टीवीके के सोर्स बताते हैं कि कांग्रेस को 2 और बाकी पार्टियों के 3-4 मंत्री पद दिए जा सकते हैं। विजय गठबंधन सरकार चलाने पर सहमत हैं, इसलिए कोई अड़चन नहीं आएगी। वहीं, तमिलनाडु कांग्रेस के एक नेता के मुताबिक, 'हमने समर्थन का वादा किया है। हाईकमान पहले से विजय के साथ गठबंधन चाहता था।' तो क्या डीएमके का साथ छोड़ देंगे? कांग्रेस नेता कहते हैं, 'ये तो होना ही था।

आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

ममता बोलीं- मैं आजाद पंछी, शेर की तरह लड़ूंगी,इस्तीफा नहीं दूंगी, हम साजिश से हारे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के कर दी गई। आरोप है कि तेज आवाज में म्यूजिक बजाने पर टीएमसी के एक कार्यकर्ता और

दौरान कहा- मैं सीएम पद से इस्तीफा नहीं दूंगी। हम जनादेश से नहीं, साजिश से हारे हैं। इसलिए इस्तीफा देने राजभवन नहीं जाऊंगी। ममता ने आगे कहा- चुनाव आयोग असली विलेन है। उसने भाजपा के साथ मिलकर 100 सीटें लूटीं। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, मैं आजाद पंछी हूं। कहीं से भी चुनाव लड़ सकती हूं, सड़कों पर रहूंगी। इधर, कोलकाता के न्यूटाउन इलाके में एक भाजपा कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या उसके साथियों ने पीट-पीटकर भाजपा कार्यकर्ता की जान ले ली। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे सोमवार को आ चुके हैं। बंगाल में भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीत ली हैं। पार्टी 9 मई को राज्य में पहली बार सरकार बनाने जा रही है। टीएमसी सिर्फ 80 सीटें जीत सकी। 15 साल बाद ममता के हाथ से सत्ता चली गई है। ममता बोलीं- चुनाव आयोग के खिलाफ कदम उठाएंगे, 5 बड़ी बातें-

मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मैं हारी नहीं हूं। मेरे इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। इसलिए राजभवन नहीं जाऊंगी। वे ऑफिशियली हमें हरा सकते हैं, लेकिन नैतिक रूप से हम चुनाव जीते हैं। चुनाव से दो दिन पहले हमारे लोगों को गिरफ्तार किया गया। जगह-जगह छापे मारे गए। आईपीएस-आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इसमें सीधे तौर पर शामिल हैं। मैंने राजीव गांधी, मनमोहन सिंह, वाजपेयी सहित कई सरकारें देखीं, लेकिन ऐसा अत्याचार कभी नहीं देखा। अत्याचार की कोई सीमा नहीं रही। यहां लोगों को प्रताड़ित किया गया। पहले राउंड की काउंटिंग के बाद ही वे कहने लगे कि भाजपा 195-200 सीटें जीत रही है। अंतिम नतीजे का इंतजार नहीं किया। बीजेपी वालों ने पोलिंग स्टेशन के अंदर घुसकर लोगों और काउंटिंग एजेंट्स को पीटना शुरू कर दिया। हम चुनाव आयोग के खिलाफ कदम उठाएंगे। क्या करेंगे, यह अभी नहीं बताएंगे। दूसरी बात, हमने फैसला किया है कि 5 सांसदों समेत 10 लोगों की एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी बनाई जाएगी।

पंजाब में आर्मी कैंप-बीएसएफ़ हेडक्वार्टर के बाहर आईईडी ब्लास्ट,डीजीपी बोले- पाक का हाथ

सीएम ने कहा- बीजेपी ने कराए-चंडीगढ़ में भी हाई अलर्ट

अमृतसर। जालंधर में बीएसएफ़ हेडक्वार्टर के बाहर मंगलवार रात धमाका हुआ। इसमें इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के इस्तेमाल की बात कही जा रही है। गनीमत रही कि धमाके में किसी को चोट नहीं लगी। इस ब्लास्ट का वीडियो भी सामने आया है। वहीं, अमृतसर में आर्मी कैंप के भीतर भी ग्रेनेड अटैक की कोशिश की गई, लेकिन वह दीवार पर टकराकर फट गया। डीजीपी गौरव यादव ने अमृतसर पहुंचकर मौके का जायजा लिया। उन्होंने माना कि जालंधर व अमृतसर में आईईडी ब्लास्ट हुए। कहा कि जालंधर में संभव है कि टाइमर या रिमोट से ब्लास्ट किया गया हो। इसमें पाकिस्तान खुफिया एजेंसियों का हाथ है। ऑपरेशन सिंदूर की एनिवर्सरी की वजह से धमाके कराए गए हो सकते हैं। वहीं, श्री आनंदपुर साहिब से शुक्राना यात्रा के दौरान पंजाब सीएम भगवंत मान ने कहा कि ये ब्लास्ट भाजपा के इलेक्शन की तैयारी हैं। भाजपा छोटे-मोटे ब्लास्ट करवाकर लोगों को डराकर वोट लेना चाहती है। यह भाजपा का स्टाइल है। चुनाव वाले स्टेट में ब्लास्ट और दंगे करवा दो। इसी बीच जालंधर आप लीडरशिप ने

पुष्टि की है कि सीएम ने अपना जालंधर दौरा टाल दिया है। वह यहां शुक्राना कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। धमाके के बाद चंडीगढ़ में हाई अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, जालंधर धमाके की जिम्मेदारी खालिस्तान लिबरेशन आर्मी (केएलए) ने एक पोस्ट शेयर कर ली। इसमें लिखा है कि डीआईजी संदीप गोयल और उनका परिवार टारगेट पर है। इतना खून बहाएंगे कि सब कुछ लाल दिखाई देगा। 3 घंटे के भीतर हुए दोनों जगह धमाके-जालंधर में कूरियर बॉय की एक्टिवा में हुआ ब्लास्टः जालंधर में बीएसएफ चौक के पास रात 7:57 बजे एक स्कूटी के पास धमाका हुआ। पुलिस जांच में एक संदिग्ध पीएपी चौक की ओर से रॉन्ग साइड से पैदल आता दिखा। वह सीधे उस स्थान तक पहुंचा, जहां फुटपाथ पर एक्टिवा खड़ी थी। युवक ने पॉलिथीन में लिपटा पैकेट वहां छोड़ा और बस अड्डे की ओर दौड़ लगा दी। इसके कुछ सेकेंड में धमाका हो गया। जिस एक्टिवा में धमाका हुआ, वह बीएसएफ के ही रिटायर्ड जवान कश्मीर सिंह की है। उसका बेटा गुरप्रीत सिंह पार्सल लेने के लिए आया था। हेलमेट न पहने होने की वजह से बीएसएफ जवानों ने उसकी एक्टिवा बाहर खड़ी करा दी। गुरप्रीत अभी पुलिस हिरासत में है। अमृतसर में आर्मी कैंप पर हमले से टीन शेड ढहाः करीब 3 घंटे बाद अमृतसर में आर्मी कैंप खासा के बाहर मंगलवार रात करीब 11 बजे ग्रेनेड अटैक हुआ। अमृतसर रूरल के एएसएसपी सोहेल मीर कासिम के मुताबिक बाइक पर सवार 2 नकाबपोशों ने आर्मी कैंप की तरफ फेंका। दीवार के साथ लगते ही जोरदार धमाका हुआ।

पब्लिक वाई-फाई का पूरे देश में एक ही पासवर्ड होगा,अब बार-बार ओटीपी से राहत मिलेगी,देश में 4 लाख हॉट स्पॉट,मांगे सुझाव

नयी दिल्ली। सरकार पीएम-वाणी की विफलता से सबक लेते हुए एक नया और उन्नत पब्लिक वाई-फाई सिस्टम लाने की तैयारी कर रही है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यूजर अनुभव को बेहतर बनाना और डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाना है। अब यूजर्स को हर हॉटस्पॉट के लिए अलग ओटीपी की जरूरत नहीं होगी। देशभर में फैले 4 लाख हॉटस्पॉट पर एक ही ओटीपी या पासवर्ड से लॉगिन किया जा सकेगा। दूरसंचार नियामक (ट्राई) ने इसका परामर्श-पत्र जारी करके लोगों से सुझाव मंगाए हैं। सार्वजनिक वाई-फाई को सुरक्षित बनाने के लिए 'वाई-फाई प्रोटेक्टेड एक्सेस 3' जैसे मानक लागू होंगे। इससे भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुरक्षित यूपीआई और डिजिटल पेमेंट के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवर मिलेगा। क्या सेवा फ्री होगी : यह नेटवर्क बेसिक इस्तेमाल के लिए फ्री होगा। हाई-स्पीड इंटरनेट के लिए छोटे रिचार्ज वाउचर्स से 'पेड वाई-फाई' का विकल्प होगा। कैसे फायदेमंद होगाः स्टेशन / बाजार जैसे इलाकों में मोबाइल नेटवर्क पर दबाव रहता है, जिससे पेमेंट अटक जाते हैं। पब्लिक वाई-फाई इस ट्रैफिक को संभाल लेगा, जिससे इंटरनेट स्पीड बेहतर मिलेगी। ऑपरेटरों के लिए क्याः नए मॉडल में कंपनियां विज्ञापन

दिखाकर या डेटा एनालिटिक्स के जरिए कमाई कर सकेंगी। सरकार उन्हें आर्थिक मदद भी देगी ताकि उन्हें नुकसान न उठाना पड़े। डेटा एनालिटिक्स क्या रोल कंपनियों को पता होगा कि कहां, किस तरह के विज्ञापन दिखाने हैं और कहां लोग पैसा खर्च करके तेज इंटरनेट चाहते हैं। निजी सरकारी कंपनियां क्या मिलकर काम करेंगीः हां, भारत नेट (सरकारी) और प्राइवेट फाइबर लाइनों का साझा इस्तेमाल होगा, जिससे नेटवर्क का जाल तेजी से बिछाया जा सके। कमाई का मॉडल बनाना मकसद-पेपर के अनुसार, मौजूदा वाई फाई सिस्टम इसलिए नहीं चला क्योंकि यह यूजर की जरूरत नहीं बन पाया। साथ ही ऑपरेटर की कमाई नहीं बनी। इसलिए सरकार प्रस्तावित वाईफाई सिस्टम को ऑपरेटर के लिए कमाई का मॉडल बनाना चाहती है। इसके लिए विज्ञापन-आधारित मॉडल, पेड प्लान व सब्सिडी (वायबिलिटी गैप फंडिंग) जैसे विकल्प दिए जाएंगे। 'कम्युनिटी वाई-फाई' मॉडल लागू होगा-शहरों में हाई-स्पीड इंटरनेट और गांवों में कम लागत वाला 'कम्युनिटी वाई-फाई' मॉडल लागू होगा। देश की 140 करोड़ की आबादी में अभी महज 2फीसदी लोग पब्लिक वाई-फाई उपयोग करते हैं। दक्षिण कोरिया में 80फीसदी, अमेरिका में 70फीसदी, यूरोप-चीन में 60फीसदी व इंग्लैंड में 50फीसदी आबादी पब्लिक वाई-फाई का उपयोग करती है। ट्राई द्वारा प्रस्तावित यह नया ढांचा न सिर्फ इंटरनेट की पहुंच बढ़ाएगा, बल्कि मोबाइल नेटवर्क पर बढ़ते डेटा के दबाव को भी कम करेगा। सस्ते इंटरनेट से डिजिटल इंफ्रा मजबूत होगा-बीएसएनएल के पूर्व चेयरमैन अरुण श्रीवास्तव के मुताबिक यह न केवल कनेक्टिविटी की गुणवत्ता सुधारता है, बल्कि सस्ता इंटरनेट उपलब्ध कराकर डिजिटल इंफ्रा को भी मजबूत करता है, खासकर उन लोगों के लिए जो महंगे डेटा प्लान नहीं ले सकते। उन्होंने कहा कि वाई-फाई हाई-डेटा उपयोग जैसे वीडियो, क्लाउड और एआई आधारित सेवाओं के लिए बेहतर विकल्प प्रदान करता है। ई-गवर्नेंस जैसी सेवाओं तक पहुंच के लिए भी ये आवश्यक है।

ईरान जंग 48 घंटे में खत्म हो सकती है,14 शर्तों का समझौता तैयार, अमेरिका ईरानी प्रॉपर्टी लौटाएगा; ईरान होर्मुज खोलेगा, न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकेगा

तेहरान। अमेरिका और ईरान में युद्ध खत्म करने और परमाणु बातचीत का रास्ता तय करने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान 48 घंटे के भीतर सीजफायर को लेकर सहमति दे सकता है। दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला समझौता (एमओयू) तैयार है। हालांकि अभी यह फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन बातचीत पहले से ज्यादा आगे बढ़ चुकी है। समझौते की अहम शर्तें जानिए-सबसे पहले युद्ध खत्म करने की घोषणा होगी, 30 दिनों तक दोनों देशों की विस्तृत बातचीत होगी, इसमें होर्मुज, परमाणु कार्यक्रम, अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील जैसे मुद्दे होंगे, दोनों देशों के बीच बातचीत के लिए इस्लामाबाद या फिर जिनेवा जैसे शहरों पर विचार हो रहा है।ड्राफ्ट के मुताबिक, ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम को कुछ समय के लिए रोक सकता है। बदले में अमेरिका धीरे-धीरे प्रतिबंध कम करेगा और ईरान के जब्त किए हुए अरबों डॉलर जारी कर सकता है। साथ ही, होर्मुज में दोनों तरफ से लगाई गई पाबंदियों में भी ढील दी जाएगी। हालांकि सबसे बड़ा विवाद न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने की अवधि को लेकर है। ईरान 5 साल का प्रस्ताव दे चुका है, जबकि अमेरिका 20 साल चाहता था। अब बीच का रास्ता निकालने की कोशिश हो रही है, जिसमें 12 से 15 साल तक की अवधि पर बात चल रही है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से अब जहाजों का आना-जाना सुरक्षित रहेगा। आईआरजीसी की नौसेना ने जहाजों के मालिकों और कप्तानों को धन्यवाद दिया है। उनका कहना है कि लोगों ने ईरान के नए नियमों का पालन किया, जिससे हालात अब सामान्य हो रहे हैं।आईआरजीसी ने एक्स पर कहा कि अब खतरे खत्म कर दिए गए हैं और नए नियम लागू हो चुके हैं, इसलिए होर्मुज से जहाज सुरक्षित तरीके से गुजर सकेंगे।ईरान ने हाल ही में कुछ नए नियम बनाए हैं। इन नियमों के मुताबिक आम और बिना किसी खतरे वाले जहाजों को गुजरने दिया जाएगा। लेकिन अगर कोई जहाज अमेरिकी सेना के लिए हथियार या गोला-बारूद लेकर जाएगा, तो उसे रोका जा सकता है।

लाख करोड़ रुपए का सौदा

एस-400 के 5 नए स्क्वॉड्रन खरीदने की तैयारी,1 स्क्वॉड्रन में 8 लॉन्चर और हर लॉन्चर में 4 मिसाइल,

नयी दिल्ली। भारत सरकार एस-400 मिसाइलों के 5 नए स्क्वॉड्रन खरीदने की तैयारी कर रही है। इसके एक स्क्वॉड्रन में 8 लॉन्चर होते हैं और हर एक लॉन्चर में 4 मिसाइल कंटेनर होते हैं। इस हिसाब से करीब 32 बड़ी मिसाइलें मिलेंगी। पिछले साल 7 से 10 मई के बीच चले ऑपरेशन सिंदूर में हमारे एयर डिफेंस सिस्टम की एस-400 मिसाइलों ने पाकिस्तान में 300 किलोमीटर अंदर घुसकर कहर बरपाया था,

अब हमारे रक्षा बेड़े में उनकी तादाद बढ़ने जा रही है। खरीदी की दिशा में रूस के साथ चर्चा में सकारात्मक प्रगति हुई है। वायु सेना के लिए 5 एस-400 का पहला सौदा 2018 में हुआ था। 3 सिस्टम्स मिल चुके हैं। रूस ने आश्वस्त किया है कि शेष दो सिस्टम और ऑपरेशन सिंदूर में खर्च हुई बैटरी की मिसाइलें भी अगले 6 माह में दे देंगे। रूस के मुताबिक इसके बाद नए स्क्वॉड्रन आएंगे। इस तरह दोनों सौदे करीब एक लाख करोड़ रुपए के होंगे। डीआरडीओ एस-400 जैसी ही इंटरसेप्टर मिसाइलें बना रहा है। यह प्रोजेक्ट कुशा है। इसमें एम-1, 2 और 3 मिसाइलें बन रही हैं, जिनकी रेंज 105 से 350 किमी होगी। अगले 6 महीने में मिलेंगी पहले सौदे की दो स्क्वॉड्रन-एस-400 दोतरफा प्रहार करती है। पहलाः ध्वनि की गति से 3 से 14 गुना गति से 400 किमी दूर तक हमला करती हैं। दूसराः दुश्मन की तरफ से आ रही बैलिस्टिक मिसाइलों को 4.8 किमी प्रति सेकंड की गति से मार गिराती है। मैक 15 गति वाली हाइपरसोनिक मिसाइलें भी इसकी रेंज से बच नहीं पातीं।पहली डील 40 हजार करोड़ में हुई-पहली डील 40 हजार करोड़ में हुई थी। दूसरी पर सहमति रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान बनी थी। इनकी आपूर्ति का रोडमैप बन गया है। युद्ध के कारण रूस से डिलेवरी में देरी हो रही थी। अब भारत को आश्वस्त किया गया है कि आने वाले 6 महीने में शेष दो स्क्वैड्रन सप्लाई कर दिए जाएंगे। अंतरिक्ष से सर्विलांस में बड़े सुधार करना सबसे बड़ी जरूरत है-रिटायर्ड एयर वाइस मार्शल संजय भटनागर (स्ट्रेटेजिक प्लानिंग एवं ऑफेंसिव ऑपरेशन्स) के मुताबिक वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अनुभवों का विश्लेषण करने के बाद कई कदम उठाए हैं। पाकिस्तान ने 7-8 मई 2025 की दरम्यानी रात दो घंटे में 800 ड्रोन्स की बौछार की थी। ऐसे में ड्रोन्स को काउंटर करने पर ध्यान दिया जा रहा है। चीन के पास 4 हजार सैटेलाइट हैं और इनमें भी 480 सर्विलांस के लिए हैं। हमें भी अंतरिक्ष से सर्विलांस में बड़े सुधार करने हैं। अभी भारत के पास इस काम के लिए 6 सैटेलाइट हैं। अब 52 उपग्रहों का सिस्टम तैयार हो रहा है। एस-400 डिफेंस सिस्टम क्या है? एस-400 ट्रायम्फ रूस का एडवांस्ड मिसाइल सिस्टम है, जिसे 2007 में लॉन्च किया गया था।

दावा- अमेरिकी विमान कतर के एयरस्पेस से लापता,इमरजेंसी सिग्नल देकर रडार से हुआ गायब,ईरान-हमारा कोई रोल नहीं

तेहरान। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी वायुसेना का एक केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर विमान कतर के ऊपर इमरजेंसी सिग्नल देने के बाद लापता हो गया। की खाड़ी के ऊपर उड़ रहा था। इसी दौरान कतर के पास उसका सिग्नल कुछ समय के लिए गायब हो गया। फ्लाइट डेटा के मुताबिक, विमान कुछ देर तक आसमान में

केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर को 'फ्लाइंग गैस स्टेशन' कहा जाता है, क्योंकि यह हवा में अन्य सैन्य विमानों को ईंधन भरने में सक्षम है। ईरान की फॉर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, विमान ने उड़ान के दौरान '7700' इमरजेंसी सिग्नल भेजा। यह सिग्नल तब दिया जाता है जब विमान में कोई गंभीर समस्या हो। हालांकि इसमें ईरान की किसी भी भूमिका की बात नहीं कही गई। यह विमान यूएई के अल धफरा एयर बेस से उड़ा था और फारस चक्कर लगाता रहा और फिर नीचे उतरने लगा। अभी तक यह साफ नहीं है कि विमान में क्या खराबी आई थी। यह भी नहीं पता कि यह कोई तकनीकी समस्या थी या कुछ और। अमेरिका ने इसे लेकर जानकारी शेयर नहीं की है।पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स-1. यूएई के पेट्रोलियम प्लांट पर हमलाः ईरान ने यूएई के फुजैराह में एक पेट्रोलियम प्लांट पर ड्रोन हमला किया। इससे इंडस्ट्री एरिया में आग भड़क उठी। इसमें 3 भारतीय भी घायल हुए हैं। 2. प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरूः अमेरिका ने होर्मुज के आसपास प्रोजेक्ट फ्रीडम पहल शुरू किया। इसके तहत होर्मुज में फंसे विदेशी जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद करने का वायदा किया गया है। 3. साउथ कोरियाई जहाज पर हमलाः होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरिया के एक जहाज पर हमला हुआ जिससे आग लग गई। ट्रम्प का कहना है कि यह हमला ईरान ने किया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। 4. जब्त ईरानी जहाज सौंपाः अमेरिकी सेना ने जब्त ईरानी जहाज टूस्का को पाकिस्तान को सौंप दिया। इसे 22 क्रू मेंबर के साथ ईरान भेजा गया। अमेरिकी नेवी ने 21 अप्रैल को इस जहाज को पकड़ा था। 5. ईरान में तीन लोगों को फांसीः ईरान में मोसाद से जुड़े होने के आरोप में लोगों को फांसी दे दी गई। इन पर जनवरी 2026 में तख्तापटल की साजिश का आरोप था। इस साल 25 राजनीतिक कैदियों को फांसी दी जा चुकी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही से जुड़े 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोका जा रहा है। यह फैसला ईरान के साथ संभावित समझौते को अंतिम रूप देने के लिए लिया गया है। ट्रम्प के मुताबिक, यह कदम पाकिस्तान और अन्य देशों के अनुरोध पर उठाया गया है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि ईरान के खिलाफ लगाया गया ब्लॉकेड अभी भी जारी रहेगा।ट्रम्प ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में अमेरिका को बड़ी सफलता मिली है। साथ ही, ईरान के प्रतिनिधियों के साथ समझौते को लेकर काफी प्रगति भी हुई है। उन्होंने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए दोनों पक्षों ने मिलकर फैसला किया है कि जहाजों की आवाजाही को कुछ समय के लिए रोका जाए, ताकि समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके।

उद्यान मंत्री ने नवीन उपमंडी स्थल का उद्घाटन किया व विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।मंगलवार को प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने आज जनपद रायबरेली के किसानों की सेवा के क्रम में दो बड़ी मंडिया ऊंचाहार और सतांव एवं मंडी व जिला पंचायत द्वारा लगभग 50 करोड़ की लागत से 150 परियोजनाओं जो कि निर्मित/ निर्माणाधीन है सड़कों के लोकार्पण/ शिलान्यास किया गया। उद्यान मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऊंचाहार और सतांव मंडी के बन जाने से जो किसान 40-40 व 50-50 किलोमीटर तक अपनी उपज को विक्रय करने के लिए ले जाते थे उन्हें अब 2 से 3 किलोमीटर में ही क्रय विक्रय स्थल उपलब्ध हो गया। उन्होंने कहा कि हरचंदपुर विधानसभा की 100 से अधिक सड़कों के लोकार्पण एवं शिलान्यास से देवतुल्य जनता की समस्याओं का उन गांव में समाधान हुआ है जहां सड़कों के निर्माण हुए। ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगल को मंडी परिषद सतांव में सुंदरकांड एवं संगीतमय पाठ का आयोजन सम्पन्न हुआ। तदुपरांत उपस्थित लोगों द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नवीन उपमंडी स्थल के प्रारंभ होने से स्थानीय किसानों को अपनी उपज के विक्रय के लिए सुलभ और व्यवस्थित मंच मिलेगा, जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त होगा और बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। आज जिन योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है, उनसे क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।इस मौके पर जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, पूर्व विधायक राकेश सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप यादव, सुशील शर्मा, सुरेंद्र दाढ़ी, विनोद वाजपेई, पप्पू लोहिया, मंडी परिषद के मुख्य अभियंता एवं उपनिदेशक सहित बड़ी संख्या में जनमानस उपस्थित रहे।

सेक्टर 82 पॉकेट 7 में आरडब्ल्यूए द्वारा आयोजित बैठक में समस्याओं एवं विकास कार्यों पर किया मंथन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में आरडब्ल्यूए की एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने की। बैठक में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने पर रणनीति तैयार की गई साथ ही पॉकेट की समस्याओं एवं उनके समाधान पर चर्चा की गई। इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने बताया कि पॉकेट में स्मार्ट मीटर से आ रही परेशानियों से लोगों ने अवगत कराया। स्मार्ट मीटर में तकनीकी खामियों की वजह से वह तेज चल रहे हैं और बिल ज्यादा आ रहे हैं जिससे लोग बेहद परेशान हैं। जिन मीटरों में ज्यादा रीडिंग आ रही है उनकी शिकायत करने पर चैक मीटर लगाने के नाम पर शुल्क लिया जा रहा है जो कि गलत है। जब स्मार्ट मीटर में तकनीकी खराबी है तो यह बिजली विभाग का काम है कि वह बिना शुल्क चैक मीटर लगाए। इसके अलावा कई पोल गल चुके हैं और कई जगह केबल बाहर खुले में पड़ी है जिसको अंडर ग्राउंड किया जाए। कई सीवर ओवर फ्लो हो रहे हैं जिससे लोगों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पॉकेट के अंदर की सीवर लाइन बहुत पुरानी है इसलिए यहां नई सीवर लाइन डाली जाए जिससे इस समस्या का स्थाई समाधान हो सके। सीवर के ढक्कन कई जगह टूटे हैं और कई जगह रोड से नीचे हैं उनको लेबल किया जाए। बैठक में आवारा खूंखार कुत्तों का मुद्दा भी उठा। अभी तक कई लोगों को कुत्ते काट चुके हैं लेकिन सारे प्रमाण देने के बावजूद भी लापरवाह अधिकारी सुध लेने भी नहीं आए। विभाग तभी जागेगा जब कोई बड़ी घटना हो जाएगी। पार्कों का सुंदरीकरण हो और सफाई व्यवस्था दुरुस्त रहे इस पर भी बैठक में चर्चा हुई। बैठक में उपाध्यक्ष रवि राघव, कोषाध्यक्ष सुशील पाल, गोरे लाल, उत्तम चन्द्रा, पप्पू सिंह,रमेश शर्मा, विकास कुमार , सुभाष शर्मा, राजवीर सिंह, महेंद्र सिंह, अनूप सिंह, संसार पाल, अंगद सिंह,नवल मिश्रा, गुड्डू चौधरी, अनूप शर्मा, हंसमणि शुक्ला, दिनेश पाठक, बीके भारद्वाज, राजेश पाठक सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निराश्रित गो संरक्षण की बैठक सम्पन्न,भूसा दान करने वाले कृषको को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में निराश्रित गो संरक्षण की समीक्षा बैठक विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में गेहूं की कटाई हो चुकी है इस समय हमें भूसा सस्ते दर पर मिल सकता है इसलिए सभी गौशालाओं में छः माह का भूसा का भंडारण सुनिश्चित करा लिया जाए तथा हरे चारे की पर्याप्त उपलब्धता के लिए गोचर भूमि का समुचित उपयोग किया जाए। गौशालाओं के आस-पास गोचर की भूमि को चिन्हित कर उनमें नेपियर घास लगायी जाये, जिससे गोवंशों के लिए हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए स्वच्छ पेयजल, जूट/तात के पर्दों, पंखों एवं पानी के छिड़काव के माध्यम से गोवंशों को लू एवं अत्यधिक तापमान से बचाने की प्रभावी व्यवस्था की जाए।

 बीमार गोवंशों के लिए पृथक सिक वार्ड की व्यवस्था तथा नियमित चिकित्सा निगरानी सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। इसके अतिरिक्त गोशालाओं में स्वच्छता, सीसीटीवी निगरानी एवं विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को प्रेरित किया जाये कि आश्रित गोवंशों को सड़कों पर न छोड़े, निराश्रित गोवंशों को अभियान चलाकर गोशालाओं में संरक्षित किया जाये।

बड़े कृषकों को भूसा दान करने हेतु प्रेरित किया जाये। इस अवसर पर गोशालाओं में भूसा दान करने वाले 10 कृषको को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। जिसमें शशिकांत तिवारी द्वारा गो आश्रय स्थल कोडरा 10 कुंतल, मनीष कुमार गो आश्रय स्थल टिकरा 10 कुन्तल, शिव बक्स सिंह गो आश्रय स्थल कठगर 15 कुंतल, सत्येन्द्र सिंह गो आश्रय स्थल मऊगर्वी 20 कुंतल, राम कुमार त्रिवेदी गो आश्रय स्थल गोविंदपुर बलौली 10 कुंतल, अशोक कुमार एवं नीलम सिंह द्वारा गो आश्रय स्थल रतासो 10-10 कुंतल, लीलावती गो आश्रय स्थल प्यारेपुर 10 कुंतल, अरविन्द सिंह गो आश्रय स्थल पट्टी रहस कैथवल 12 कुंतल एवं निर्मला देवी द्वारा गो आश्रय स्थल कहुआ में 15 कुन्तल भूसा दान किया गया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 कुलदीप कुमार द्विवेदी, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण व प्रधान, सचिव आदि उपस्थित रहें।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

प्राधिकरण अधिकारियों के साथ विधायक ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा में चिल्ला रेगुलेटर एलीवेटेड रोड का निर्माण कार्य तेजी से प्रगतिरत है। मौके पर पुस्ता मार्ग के सुदृढ़ीकरण के उपरांत दिल्ली के मयूर विहार (दिल्ली) से महामाया फ्लाइओवर, एम.पी.-3 मार्ग (नोएडा) तक निर्माणाधीन एलीवेटेड रोड परियोजना का नोएडा विधायक पंकज सिंह ने यू.पी. ब्रिज कॉरपोरेशन व नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। नोएडा में यातायात जाम की समस्या के समाधान हेतु 892.75 करोड़ रुपये की लागत से 5.570 किलोमीटर लंबे 6 लेन के उपस्थित संबंधित अधिकारियों ने विधायक जी को अवगत कराया कि परियोजना का लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। परियोजना के अंतर्गत एलीवेटेड रोड को शाहदरा ड्रेन से समानांतर आगे ले जाते हुए कालिंदी कुंज रोड को पार कर सेक्टर-94 के समीप मार्ग से जोड़ने की योजना है। चिल्ला एलीवेटेड रोड को पुस्ता रोड से कनेक्ट करने तथा आगे से सेक्टर-150 की ओर जाने वाले ट्रैफिक को निर्बाध गति से संचालित किया जायेगा.इस मौके पर एसीईओ वंदना त्रिपाठी , जिला महामंत्री अमित त्यागी, ओमवीर अवाना, करतार चौहान, जीएम एस पी सिंह, पीई कपिल सिंह बबलू यादव, नीरज चौधरी, शशिधर उपाध्याय, विपुल शर्मा, प्रदीप यादव, एवं यू.पी. ब्रिज कारपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वाह्य निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव, उप जिलाधिकारी राजेश श्रीवास्तव प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अवैध शराब परिवहन का भंडाफोड़-देहात पुलिस की सतर्कता से बड़ी कार्रवाई,72 लीटर शराब एवं वाहन जप्त, दो आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)मैहर। मंगलवार को थाना देहात पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि अमरपाटन की ओर से एक मैजिक वाहन में अवैध शराब भरकर मैहर लाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशन एवम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ.चंचल नागर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक पंचराज सिंह ने तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई की योजना बनाई। पुलिस टीम ने बिना देर किए बताए गए मार्ग पर घेराबंदी कर निगरानी शुरू कर दी। कुछ ही समय में संदिग्ध मैजिक वाहन (क्रमांक एमपी 19 एमएल 1858) नजर आया। पुलिस ने वाहन को रोककर तलाशी ली तो वाहन में 08 कार्टूनों में भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई थी। जिनमें 06 कार्टून अंग्रेजी गोवा शराब 54 लीटर और 02 कार्टून में प्रिंस प्लेन शराब 18 लीटर भरी हुई थी इस तरह कुल 72 लीटर अवैध शराब, जिसकी कीमत लगभग 49,000 रुपये थी, बरामद की गई। साथ ही करीब 5 लाख रुपये कीमत का मैजिक वाहन भी जप्त किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से दो आरोपियों-राहुल चौरसिया (21 वर्ष) और सूरज चौरसिया (20 वर्ष), निवासी चौरसिया मोहल्ला, मैहर-को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि उनका एक साथी आशीष चौरसिया मौके से फरार होने में सफल रहा, जिसकी तलाश जारी है। पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी अवैध शराब को मैहर में बेचने के उद्देश्य से लेकर जा रहे थे। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। नाम पता आरोपीगण - 1) राहुल चौरसिया पिता नत्थूलाल चौरसिया उम्र 21 वर्ष, 2-सूरज चौरसिया पिता जीवनलाल चौरसिया उम्र 20 वर्ष दोनो निवासी वार्ड क्र. 12 चौरसिया मोहल्ला मैहर थाना मैहर जिला मैहर (म.प्र.), 3 आशीष चौरसिया फरार आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला गया. फरार आरोपी आशीष चौरसिया के विरुद्ध थाना मैहर में पूर्व से ही लगभग 20 से अधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं, जिनमें मुख्यतः आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 34ए, 36 के तहत अवैध शराब निर्माण, परिवहन एवं विक्रय से संबंधित मामले दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त आरोपी के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की गंभीर धाराएं 294, 323, 427, 506, 34 के तहत भी अपराध दर्ज होना पाया गया है, साथ ही मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है।उक्त आपराधिक इतिहास से स्पष्ट है कि आरोपी आदतन अपराधी है एवं अवैध शराब के कारोबार में लंबे समय से संलिप्त रहा है। पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

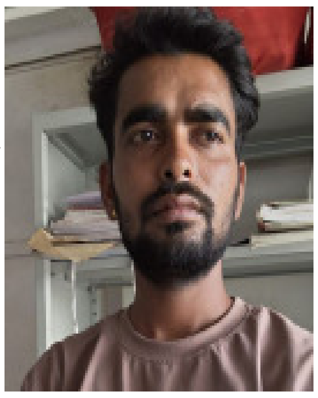

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक पंचराज सिंह, उप निरीक्षक आर.पी. रावत, प्रधान आरक्षक ऋषभ छारी, आरक्षक संजय यादव एवं महिला आरक्षक अंकिता द्विवेदी की सराहनीय भूमिका रही।

पत्रकारों के सम्मान पर सख्त रुख उप मुख्यमंत्री ने दिया भरोसा शिष्टाचार भेंट में पत्रकारों की समस्याओं पर हुई गम्भीर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने उप मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। बैठक के दौरान पत्रकारों के हित, उनकी सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ने बैठक में ही पत्रकारों को आ रही समस्याओं, उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार जैसे गंभीर विषयों को प्रमुखता से उठाया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने चर्चा के दौरान आश्वासन दिया कि सरकार पत्रकारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी पत्रकार को कोई समस्या आती है, तो वे सीधे उनसे मिल सकते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता या धमकी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह शिष्टाचार भेंट पत्रकारों के अधिकारों और सम्मान को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और भविष्य में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद भी जगाती ।

आईएमएस लॉ कॉलेज में एआई एवं लॉ एजेंसी पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज, नोएडा में एआई एवं लॉ ऑफ एजेंसी विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान देशभर से प्रतिभाशाली विधि विशेषज्ञों, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड एवं वॉक्सन यूनिवर्सिटी से संबद्ध प्रोफेसर डॉ. साल्वाटोर टोलोन अज्जारिटी ने अपने विचार साझा किए। अपने व्याख्यान में उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पारंपरिक विधिक सिद्धांतों के बीच विकसित हो रहे संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा भविष्य में विधि क्षेत्र में एआई की भूमिका पर महत्वपूर्ण चर्चा की। आईएमएस नोएडा के एडवाइजर प्रोफेसर डॉ. जे. के. शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विधि के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे आधुनिक तकनीक और विधिक सिद्धांतों के समन्वय को समझें, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। यह पहल आईएमएस नोएडा की वैश्विक शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो छात्रों को बदलते विधिक परिदृश्य के अनुरूप तैयार करने में निरंतर अग्रसर है। आईएमएस नोएडा के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल ने बताया कि इस ऑनलाइन संगोष्ठी में देशभर से लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विचार-विमर्श, विश्लेषणात्मक सोच और भविष्य उन्मुख विधिक चर्चा का एक सशक्त मंच साबित हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन आईएमएस लॉ कॉलेज के विद्यार्थी श्रेया और अमायरा सिंह द्वारा आत्मविश्वास एवं उत्कृष्टता के साथ किया गया, जिसका सभी ने सराहना की।

जन सेवा सामाजिक फाउंडेशन ट्रस्ट का भव्य वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना चुका जन सेवा सामाजिक फाउंडेशन ट्रस्ट का वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह संपन्न हुआ। समारोह मे मुख्य अतिथि पूर्व विधायिका बिमला बॉथम, विशिष्ट अतिथि दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, उपभोक्ता सहकारी समिति के डायरेक्टर गणेश जाटव, भारतीय कुश्ती संघ जिला अध्यक्ष सतपाल यादव, डीडी आरडब्ल्यूए अध्यक्ष एन पी सिंह, अध्यक्ष हरियाणा वैश्य समाज सेवा डीपी गोयल आदि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत ट्रस्ट की अध्यक्ष ममता यादव एवं महासचिव विमला कोठारी नें बुके एवं मोमेंटो देकर किया। वही अतिथियों को शीला पंत नें कुमाऊनी एपन आर्ट द्वारा स्वनिर्मित थैले भेट स्वरूप दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन अखिल भारतीय प्राइवेट चिकित्सक फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रदीप उपाध्याय ने किया। महासचिव विमला कोठारी ने बताया कि पिछले 4 वर्षों से ट्रस्ट लगातार गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग के उत्थान हेतु शिक्षा,स्वस्थ एवं पर्यावरण संरक्षण पर कार्य कर रहा है। ट्रस्ट द्वारा झुग्गी-बस्तियों में जाकर न सिर्फ बच्चों को शिक्षा एवं अच्छे संस्कार दिए जा रहे हैं, बल्कि उनके परिवारों को भी हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। ट्रस्ट का प्रयास समाज के सबसे कमजोर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ना है। कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष निर्मल सिंह, संतुष्टि फाउंडेशन के अध्यक्ष नवीन पोरवाल, डॉ शैलेन्द्र पोरवाल, वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल पांडेय, संतोष वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष संगीता तिवारी, हरेंद्र सिंह चैंपियन, मिस यूनिवर्स रनर संध्या मयंक गौतम, नीरज मिश्रा, उत्तम तिवारी आदि उपस्थित रहे। वही कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट की टीम मे मयंक शर्मा, ज्योति त्रिपाठी, अंजू तोमर, रेखा भट्ट, जितेंद्र, हर्ष, योगेंद्र आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष ममता यादव ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप की गरिमामय उपस्तिथि ने हमारा हौसला बढ़ाया हैं।

विधान परिषद स्नातक मेरठ सहारनपुर खंड निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी एडवोकेट प्रमेन्द्र सिंह भाटी पहुंचे गांव सदरपुर,

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मंगलवार को नोएडा समाजवादी पार्टी नोएडा विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष ठा0 बबलू चौहान के निवास एवं कैंप कार्यालय गाँव सदरपुर सेक्टर 45 पर एडवोकेट प्रमेन्द्र सिंह भाटी प्रत्याशी विधान परिषद स्नातक मेरठ सहारनपुर खंड निर्वाचन क्षेत्र एवं पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर पहुंचे, गांव मैं पहुँचने पर बबलू चौहान व ग्रामीणों ने उनका गाँव में पहुंचने पर उनका फूल माला एवं पटका डालकर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। तत्पश्चात श्री भाटी ने सभी का आभार व्यक्त किया। श्रीभाटी जी ने बताया कि आगामी विधान परिषद स्नातक मेरठ सहारनपुर खंड निर्वाचन क्षेत्र में स्नातक वोटर जो अभी भी स्नातक वोट बनवाने से वंचित रह गए हैं वे सभी अपनी अपनी स्नातक की वोट बनवाएं स्नातक वोट अभी बनाई जा रही हैंक्योंकि जब हम सब लोग अभी से उनकी वोट बनवा देंगे तो हमें चुनाव के वक्त वोट डलवाने में काफी आसानी होगी उन्होंने स्नातक वोटरों को नई वोट बनवाने। एवं पार्टी के पक्ष में डलवाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए और नोएडा विधानसभा क्षेत्र में नए स्नातक वोट बनवाने के लिए कैम्प आयोजित करने के लिए भी विचार विमर्श किया, प्रमेन्द्र सिंह भाटी जी ने कहा कि जल्द ही नोएडा विधानसभा में नोएडा संगठन के सहयोग से कैंप आयोजित किए जाएंगे, और नए वोट बनवाएंगे और लोगों को पार्टी से जोड़ेंगे-क्योंकि आम जनमानस मजदूर किसान नौजवान, स्नातक करे हुए नौजवान सब बेरोजगार हैं। महंगाई चरम पर है। उत्तर प्रदेश की जनता वर्तमान सरकार से त्रस्त है। लोग बदलाव चाहते हैं इसीलिए विधान परिषद चुनाव में समाजवादी पार्टी सभी सीटों को जीतने जा रही है और आगामी विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जीके नेतृत्व में समाजवादी पीडीए सरकार बनेगी तभी उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनेगा और पीडीए के लोग सरकार में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। स्नातक की वोट बनवाने एवं आगामी विधान परिषदचुनाव में डलवाने को लेकर विचार गोष्ठी व स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी नोएडा विधानसभा अध्यक्ष ठा0 बबलू चौहान, प्रदेश सचिव चौधरी जयकरण सिंह, पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे, विनोद चौहान, राजेंद्र चौहान, चमन चौहान, सुखपाल चौहान(मुंशीजी) जयप्रकाश सिंह ,वीर सेन ,कुणाल ,वीरेंद्र चौहान, एड0 निखिल चौहान ,हरेंद्र चौहान ,शिवम चौहान, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उचेहरा बालिका छात्रावास का सीईओ ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सतना/उचेहरा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने उचेहरा स्थित शासकीय बालिका छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास की शैक्षणिक, आवासीय एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। सीईओ ने छात्राओं से चर्चा कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा भोजन, स्वच्छता, पेयजल, बिजली और सुरक्षा इंतजामों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने छात्रावास परिसर की साफ-सफाई, किचन व्यवस्था एवं छात्राओं के रहने की व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि छात्राओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने व्यवस्थाओं में सुधार लाने एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट ने जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र वितरण किया

वंचित बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही हमारी पहचान और हमारा प्रयास है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट, जे.जे

कॉलोनी सेक्टर-5 में रहने वाले जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों के लिए वस्त्र वितरण

कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को स्वच्छ एवं अच्छे वस्त्र उपलब्ध कराना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना था। ट्रस्ट की संस्थापक भारती नेगी ने बच्चों को अपने हाथों से कपड़े वितरित किए और उनसे बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट का लक्ष्य ऐसे बच्चों को शिक्षा, संस्कार और आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना है, ताकि वे भी समाज की मुख्य धारा से जुड़कर एक बेहतर भविष्य बना सकें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सभी बच्चों ने ट्रस्ट और संस्थापक के प्रति आभार व्यक्त किया। वस्त्र प्राप्त करने के बाद बच्चों के चेहरों पर खुशी की लहर साफ दिखाई दी और पूरे क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बन गया। यह पहल समाज में सहयोग, सेवा और संवेदना की भावना को और मजबूत करती है।

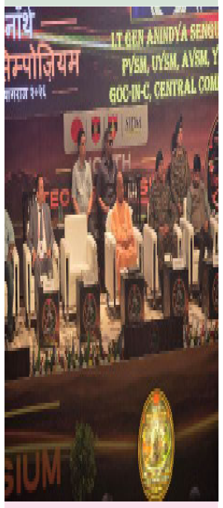

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे प्रयागराज, सीएम योगी न्यू कैंट में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम-2026 में शिरकत करने पहुंचे, न्यू कैंट के कोबरा ऑडिटोरियम में आयोजित हो रहा है तीन दिवसीय नॉर्थ टेक सिंपोजियम, रक्षा त्रिवेणी संगम नार्थ टेक सिंपोजियम का तीसरा और अंतिम दिन है, सीएम योगी आदित्यनाथ ने सिंपोजियम का समापन किया।

स्वगणना अभियान को सफल बनाने हेतु जिलाधिकारी की सख्त निर्देशों के साथ बैठक, 7 से 21 मई तक चलेगा व्यापक जनजागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में प्रस्तावित स्वगणना अभियान को सफल, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनटीपीसी रिहन्द, एनसीएल ककरी, अल्ट्राटेक, हिण्डालको एवं ग्रासिम इंडस्ट्रीज सहित जनपद में संचालित अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी औद्योगिक इकाइयों के आवासीय परिसरों में निवासरत परिवारों के मुखिया अपने-अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से स्वगणना प्रक्रिया को स्वयं पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि स्वगणना अभियान 7 मई से प्रारंभ होकर 21 मई तक संचालित किया जाएगा, जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद के समस्त डिग्री कॉलेजों एवं इंटरमीडिएट शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं को स्वगणना की विधि का प्रशिक्षण एवं आवश्यक जानकारी प्रदान की जाए, ताकि वे अपने परिवार, मोहल्ले एवं गांव के लोगों को इस प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। इसके अतिरिक्त आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों, रोजगार सेवकों, पंचायत सहायकों एवं स्वयं सहायता समूह की सखियों को भी इस अभियान से जोड़ते हुए उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद के डिग्री कॉलेजों, आईटीआई संस्थानों तथा राजकीय वित्तपोषित एवं वित्तविहीन विद्यालयों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। पोस्टर, बैनर, सोशल मीडिया, प्रचार वाहन एवं अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कर आमजन को स्वगणना के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। यह न केवल सटीक आंकड़े उपलब्ध कराने में सहायक होगा, बल्कि भविष्य की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में भी उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ला, जनगणना अधिकारी सुश्री प्रियांशा सिंह, जनगणना सहायक श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की, अविद्युतीकृत मजरों के शीघ्र विद्युतीकरण के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने मंगलवार को विद्युत के विद्युतीकरण कार्यों की भी गहन समीक्षा की। अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड राबर्ट्सगंज द्वारा जानकारी दी गई कि उक्त मजरों

विभाग के अधिकारियों के साथ मेडिकल कॉलेज में स्थापित व्यवस्था एवं जनपद में विद्युत आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल श्री आनंद कुमार ने अवगत कराया कि वर्तमान में विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से संचालित हो रही है तथा किसी प्रकार की समस्या नहीं है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के अविद्युतीकृत मजरों गया कि वर्तमान में vcYYed योजना के अंतर्गत कुल 97 मजरों के विद्युतीकरण का कार्य मे0 विश्व समृद्ध इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जिनमें से 40 मजरों का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था को एक माह के भीतर सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त के अतिरिक्त जनपद में कुल 834 अविद्युतीकृत मजरे चिन्हित किए गए हैं, जिनके विद्युतीकरण की प्रक्रिया प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति एवं विद्युतीकरण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी कार्य गुणवत्ता एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर जनपदवासियों को निर्बाध विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

शिक्षा मित्रो के बढ़े हुए मानदेय पर सम्मान समारोह आयोजित

शिक्षा मित्र सम्मान समारोह कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सम्बोधन का कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया सजीव प्रसारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र कलेक्ट्रेट

सभागार मे शिक्षामित्रों का सम्मान समारोह एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण का मंगलवार को शुभआरम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सभी शिक्षा मित्रो का मानदेय दस हजार से बढाकर 18 हजार प्रतिमाह किया गया है, उक्त अवसर पर जनपद के समस्त कार्यरत शिक्षा मित्रो को मानदेय वृद्धि की शुभकामना देने हेतु उनके सम्मान का कार्यक्रम जिला प्रशाशन द्वारा आयोजित किया गया. उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़ जी रहे, इस दौरान उन्होने कहा कि सरकार ने सदैव स्कूली शिक्षा की मजबूती के लिए प्रयास किया है तथा इसी क्रम मे अपने कार्यरत सभी शिक्षकों को पांच लाख रूपये का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जा रहा है. साथ ही इसी अनुक्रम मे शिक्षामित्र बन्धुओ का मानदेय बढ़ाया गया है. समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अंतिम पायदान के समस्त बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने की राह मे हमारे शिक्षा मित्र अनुदेशक साथियो का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस अवसर पर वक्ताओं के क्रम मे सदर विधयाक श्री भूपेश चौबे ने जनपद के सभी शिक्षा मित्रो को सादर शुभकामनायें दीं। विधान सभा घोरावल के विधायक डॉक्टर अनिल कुमार मौर्य ने कार्यक्रम मे उपस्थित सभी शिक्षा मित्रो को मानदेय वृद्धि के लिए सरकार की इस योजना की सराहना की। इस अवसर पर सदर विधायक श्री भूपेष चौबे ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है और शिक्षा मित्र शिक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी है। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा विद्यालयो में स्मार्ट क्लाश विद्यालयों के सुन्दरीकरण और शिक्षा मित्रों के मानदेय में वृद्धि जैसे उल्लेखनिय कदम उठाये गये है और शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता में उल्लेखनिय सुधार हुआ है। इस दौरान पांच उत्कृष्ट शिक्षा मित्रो का सम्मान करते हुए उन्हें प्रतीकात्मक रूप से बढ़े हुए मानदेय का चेक प्रदान किया गया। अन्त मे सभी अतिथियों एवं जनपद अधिकारियो द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए विभिन्न शिक्षक अधिगम सामग्री ज्स्ड स्टाल का अवलोकन करते हुए उनके कार्यों की सराहना की गयी। इस कार्यक्रम मे जनपद सोनभद्र के मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक , बेसिक शिक्षा अधिकारी समेत शिक्षक शिक्षा मित्र एवं शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने पटवध-बसुआरी प्रमुख जिला मार्ग घाघर नदी पर बन रहे सेतु का किये औचक निरीक्षण

सेतु निर्माण में प्रयोग सामग्री की थर्ड पार्टी से जॉच कराने के दिये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने मंगलवार को पटवध-बसुआरी प्रमुख जिला मार्ग पर घाघर नदी पर निर्माणाधीन सेतु का औचक निरीक्षण कर कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि सेतु निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या घटिया सामग्री का प्रयोग कदापि स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था एवं अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य पूर्णत मानक के अनुरूप एवं समयबद्ध ढंग से कराया जाए। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु थर्ड पार्टी से अनिवार्य रूप से जांच कराई जाए, ताकि कार्य की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनी रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होनें सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि यदि गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि सेतु निर्माण कार्य जनहित से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, इसमें किसी प्रकार की ढिलाई या उदासीनता क्षम्य नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा करने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगें श्री रोहित यादव, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, जिला अर्थ एंव संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, अपर जिला अर्थ संख्या अधिकारी श्री जय सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

साईं हॉस्पिटल में मनी अस्थमा दिवस, मरीजों को किया गया जागरूक,डायरेक्टर डॉ अनुपमा सिंह बोलीं- समय पर इलाज और बचाव से कंट्रोल हो सकती है बीमारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। साईं हॉस्पिटल परिसर

में मंगलवार को विश्व अस्थमा दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अस्थमा रोग के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ अनुपमा सिंह ने बताया कि अस्थमा फेफड़ों की एक गंभीर बीमारी है जिसमें सांस की नली में सूजन आ जाती है। धूल, धुआं, पराग कण, ठंडी हवा और प्रदूषण इसके मुख्य ट्रिगर हैं। उन्होंने कहा कि समय पर इलाज, नियमित दवा और इनहेलर के सही इस्तेमाल से अस्थमा को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ सिंह ने मरीजों को सलाह दी कि धूल-मिट्टी वाले स्थानों पर मास्क लगाएं, धूम्रपान से बचें और डॉक्टर की सलाह बिना दवा बंद न करें। सर्दी-जुकाम होने पर तुरंत इलाज कराएं क्योंकि यह अस्थमा अटैक बढ़ा सकता है। गोष्ठी में आए मरीजों की निशुल्क जांच की गई और उन्हें इनहेलर इस्तेमाल करने का सही तरीका बताया गया। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि अस्थमा को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना जरूरी है। यह छूआछूत की बीमारी नहीं है और सही उपचार से मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। इस मौके पर डॉ बी सिंह,अस्पताल के चिकित्सक डॉ रोजी, डॉ दिब्यां,,डॉ अनीश,संध्या, रेखा, जूही, प्रियांशी, राजन सोनी, बीपी सिंह , स्टाफ व बड़ी संख्या में मरीज व तीमारदार मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

आईपीएल 2026 प्लेऑफ का शेड्यूल जारी, अहमदाबाद में फाइनल-धर्मशाला और चंडीगढ़ में प्लेऑफ मुकाबले होंगे, फाइनल 31 मई को

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के प्लेऑफ

मुकाबलों का शेड्यूल जारी हो गया है। इसकी शुरुआत 26 मई को क्वालीफायर-1 मुकाबले से होगी। टूर्नामेंट का फाइनल 31 मई को अहमदाबाद में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को प्लेऑफ मुकाबलों का डिटेल जारी किया। आईपीएल 2026 में 5 मई तक 48 मैच खेले जा चुके हैं। प्लेऑफ मुकाबले 70 मैच के बाद खेले जाएंगे। धर्मशाला में क्वालीफायर-1, चंडीगढ़ को मिली 2 मैचों की मेजबानी आईपीएल 2026 का पहला प्लेऑफ मुकाबला यानी क्वालीफायर-1 धर्मशाला के एचपीसीए (एचपीसीए) स्टेडियम में 26 मई को खेला जाएगा। इसमें पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद टूर्नामेंट चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शिफ्ट होगा। यहां 27 मई को एलिमिनेटर और 29 मई को क्वालीफायर-2 के मैच खेले जाएंगे। अहमदाबाद में लगातार दूसरे साल फाइनल मुकाबला सीजन का ग्रैंड फिनाले 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मोदी स्टेडियम लगातार दूसरे साल खिताबी मुकाबले की मेजबानी करेगा। आईपीएल 2025 का फाइनल भी यहीं खेला गया था, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी जीती थी। पंजाब किंग्स टेबल में टॉप पर आईपीएल 2026 में 70 लीग मैचों के साथ कुल 74 मैच खेले जाएंगे। 28 मार्च 2026 को शुरू हुए इस टूर्नामेंट में, अब तक 48 मैच हो चुके हैं और प्लेऑफ की दौड़ रोमांचक हो गई है। पंजाब किंग्स अभी 13 पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर है, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स सबसे निचले पायदान पर है। बेंगलुरु से अहमदाबाद क्यों शिफ्ट हुआ फाइनल? इस साल प्लेऑफ के लिए तीन अलग-अलग वेन्यू चुने गए हैं। पहले फाइनल की मेजबानी बेंगलुरु को दी गई थी। हालांकि, स्थानीय एसोसिएशन और अधिकारियों की कुछ ऐसी मांगें थीं जो बीसीसीआई के प्रोटोकॉल और गाइडलाइंस के दायरे से बाहर थीं। इसी कारण वेन्यू को बदलना पड़ा और अहमदाबाद को फाइनल की जिम्मेदारी सौंपी गई।

खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन बायकॉट की चेतावनी दी,सबालेंका बोलीं-इनामी राशि नहीं बढ़ी तो खिलाड़ी टूर्नामेंट छोड़ सकते हैं, रेवेन्यू में 22फीसदी हिस्सेदारी की मांग

नयी दिल्ली। महिला वर्ल्ड नंबर-1आर्यना सबालेंका ने मंगलवार को

कहा कि अगर फ्रेंच ओपन में प्राइज मनी नहीं बढ़ाई गई तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार कर सकते हैं। अमेरिकी स्टार कोको गॉफ ने भी इसका समर्थन किया। पुरुष वर्ग के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर और टॉप-10 के कई अन्य खिलाड़ियों ने भी इनामी राशि को लेकर नाराजगी जताई है। सबालेंका का बयान ऐसे समय आया है, जब आयोजकों और खिलाड़ियों के बीच कमाई के बंटवारे को लेकर विवाद बढ़ गया है। इस साल फ्रेंच ओपन की प्राइज मनी 9.5फीसदी बढ़कर 61.7 मिलियन यूरो (686 करोड़ रुपए) हो गई है, लेकिन खिलाड़ी इसे कम मानते हैं। खिलाड़ियों ने सोमवार को दावा किया कि टूर्नामेंट रेवेन्यू में उनकी हिस्सेदारी 2024 के 15.5फीसदी से घटकर 2026 तक 14.9फीसदी हो सकती है। खिलाड़ी रेवेन्यू में 22फीसदी हिस्सेदारी चाहते हैं, जो एटीपी और डब्लूटीए के 1000 लेवल टूर्नामेंट्स के बराबर है। इटालियन ओपन के दौरान 28वां जन्मदिन मना रहीं आर्यना सबालेंका ने कहा, 'हमारे बिना कोई टूर्नामेंट नहीं होगा और न ही कोई मनोरंजन। मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से रेवेन्यू का ज्यादा प्रतिशत पाने के हकदार हैं।' उन्होंने कहा, 'एक समय ऐसा आएगा जब हम इसका बहिष्कार करेंगे। मुझे लगता है कि अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका बचा है। खिलाड़ी सिर्फ इनामी राशि ही नहीं, बल्कि चारों ग्रैंड स्लैम-ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन चैंपियनशिप और यूएस ओपन से बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य सुविधाएं और पेंशन की भी मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट करोड़ों का मुनाफा कमाते हैं, लेकिन एथलीटों को उनके श्रम के अनुपात में लाभ नहीं मिलता। खामोश आयोजक, विवाद बढ़ने के आसार खिलाड़ियों के कड़े विरोध और साझा बयान पर फ्रेंच ओपन आयोजकों ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। टेनिस में ऐसे मतभेद पहले भी हुए हैं, लेकिन महिला और पुरुष वर्ग के दोनों नंबर-1 खिलाड़ियों का साथ आना टूर्नामेंट की छवि पर असर डाल सकता है।

तेज धूप में सनग्लासेस पहनना जरूरी,यूवी किरणों से आंखों को हैं बहुत नुकसान, खरीदते समय ये जरूरी बातें ध्यान रखें

नयी दिल्ली। गर्मियों में घर से बाहर निकलना चैलेंजिंग होता है। लेकिन रोजमर्रा के काम से बाहर निकलना मजबूरी है। तेज धूप में

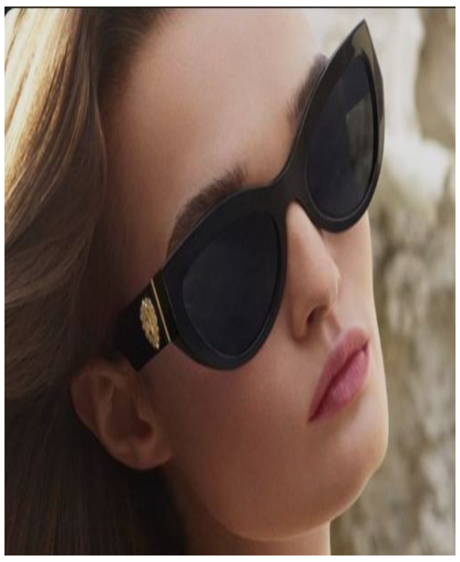

बाहर निकलते समय आंखों की सुरक्षा बहुत जरूरी है। अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणें आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इससे जलन, धुंधलापन और लॉन्ग टर्म में आंखों से जुड़ी बीमारियों

का रिस्क होता है। ऐसे में सनग्लासेस आंखों की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। सही सनग्लासेस धूप, धूल और हानिकारक यूवी किरणों से बचाते हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि गर्मियों में सनग्लासेस पहनना क्यों जरूरी है और इसे खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. श्रेया गुप्ता, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या गर्मियों में सनग्लासेस पहनना जरूरी है? जवाब- हां, यह आंखों को हानिकारक यूवी किरणों, तेज रोशनी और धूल से बचाता है। इससे जलन, ड्राईनेस और अन्य समस्याओं का रिस्क कम होता है। सवाल- अल्ट्रावायलेट किरणों का आंखों पर क्या असर पड़ता है? जवाब- सूर्य की रोशनी से निकलने वाली अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों के बाहरी और अंदरूनी हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। आंखों में जलन पानी आना, दर्द, धुंदला दिखना, रेटिना ख़राब होना, ड्राईनेस, मोतियाबिंद सवाल- क्या सनग्लासेस अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाते हैं? जवाब- हां, सही क्वालिटी के सनग्लासेस यूवी किरणों से बचाते हैं। खासतौर पर 'यूवी400' प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस आंखों को हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों से सुरक्षित रखते हैं। सवाल- क्या सिर्फ तेज धूप में ही सनग्लासेस लगाना जरूरी है या हल्की धूप में भी लगाना चाहिए? जवाब- सनग्लासेस हल्की धूप में भी पहनना चाहिए। यूवी किरणें बादलों या हल्की धूप में भी मौजूद रहती हैं। इसलिए बाहर निकलते समय सनग्लासेस लगाना बेहतर है। सवाल- तेज धूप में बिना सनग्लासेस बाहर निकलने से क्या नुकसान हो सकता है? जवाब- सनग्लासेस न पहनने से आंखें सीधे यूवी किरणों और तेज रोशनी के संपर्क में आती हैं। इससे आंखों को कई नुकसान हो सकते हैं। जैसेकि-तेज जलन और रेडनेस। पानी आना और ड्राईनेस। सिरदर्द और आंखों में थकान। नजर में धुंधलापन। लंबे समय में कॉर्निया को नुकसान। मोतियाबिंद का खतरा। धीरे-धीरे नजर में कमजोरी। लंबे समय में रेटिना डैमेज का रिस्क। सवाल- क्या सस्ते या लोकल सनग्लासेस नुकसानदायक हो सकते हैं? जवाब- हां, इनमें यूवी प्रोटेक्शन नहीं होता है। ये सिर्फ रोशनी कम करते हैं, जिससे आई बॉल(पुतली) फैल जाती है और हानिकारक यूवी किरणें आंखों में प्रवेश कर सकती हैं। इससे आंखों को डैमेज का रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- किस तरह के सनग्लासेस गर्मियों के लिए सबसे बेहतर होते हैं? जवाब- 'यूवी400' या '100फीसदी यूवी प्रोटेक्शन' वाले सनग्लासेस सबसे अच्छे होते हैं। ये आंखों को हानिकारक किरणों से बचाते हैं। धूप की चकाचौंध कम करने के लिए पोलराइज्ड लेंस बेहतर हैं। बेहतर विजन के लिए ग्रे, ब्राउन या हरे रंग के लेंस चुन सकते हैं। आंखों के पूरे कवरेज के लिए बड़े फ्रेम या रैपअराउंड स्टाइल बेहतर है। सवाल- सनग्लासेस आंखों को किन समस्याओं से बचाते हैं? जवाब- सनग्लासेस यूवी किरणों, तेज रोशनी और धूल से बचाकर कई समस्याओं से सुरक्षा देते हैं। सनग्लासेस खरीदते समय सिर्फ स्टाइल नहीं, बल्कि क्वालिटी और प्रोटेक्शन को प्राथमिकता देना चाहिए। इससे आंखों को सही सेफ्टी मिलती है। इसलिए सनग्लासेस खरीदते समय कुछ बातों का खास ख्याल रखें। सवाल- क्या लंबे समय तक सनग्लासेस पहनने से आंखों पर कोई बुरा असर पड़ता है?जवाब- नहीं, सही क्वालिटी के सनग्लासेस से आंखों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता है। ये आंखों को यूवी किरणों, धूल और तेज रोशनी से बचाकर सुरक्षा देते हैं। हालांकि खराब क्वालिटी या बिना यूवी प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सनग्लासेस से जुड़े कुछ कॉमन सवाल और जवाब- सवाल- बादल होने पर भी यूवी किरणों का खतरा रहता है? जवाब- हां, बादलों के बावजूद यूवी किरणें जमीन तक पहुंचती हैं, इसलिए हमेशा आंखों की सुरक्षा जरूरी है। सवाल- क्या सुबह-शाम की धूप में भी यूवी किरणों का खतरा रहता है? जवाब- हां, सुबह-शाम यूवी तीव्रता कम होती है, लेकिन जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं होता है। सवाल- क्या हरेक सनग्लास यूवी किरणों से प्रोटेक्ट करता है? जवाब- नहीं, केवल यूवी400 या 100फीसदी यूवी प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस ही सही सुरक्षा देते हैं। सवाल- क्या सनग्लासेस आंखों को ड्राईनेस और इरिटेशन से बचाते हैं? जवाब- हां, ये धूल, हवा और तेज रोशनी से बचाकर ड्राईनेस और जलन कम करते हैं। सवाल- क्या सनग्लासेस पहनने से आंखों की थकान कम होती है? जवाब- हां, ये तेज रोशनी की चुभन कम करते हैं, जिससे आंखों पर तनाव घटता है। सवाल- क्या कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों को भी सनग्लासेस लगाने चाहिए? जवाब- हां, कॉन्टैक्ट लेंस पूरी तरह अल्ट्रावायलेट किरणों से सुरक्षा नहीं देते, इसलिए उन्हें भी सनग्लासेस लगाने चाहिए।

गर्लफ्रेंड अपनी जरूरतें सीधे नहीं बताती-इनडायरेक्ट ताने देती है, मैं इमोशनल स्ट्रेस में हूं, क्या करूं?

नोएडा। समझेंगे विषय को एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल,

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं एक सरकारी बैंक में कैशियर हूं। कुछ महीनों से एक लड़की के साथ रिलेशनशिप में हूं। हमारे बीच सब अच्छा है, लेकिन वो अपनी जरूरतें सीधे बोलने की बजाय इशारों में कहती है। जैसे- 'मेरे पास बाहर जाने के लिए अच्छे कपड़े नहीं हैं।' 'उस लड़की की वॉच कितनी अच्छी है।' 'उस लड़की का बैग कितना प्यारा लग रहा है।' कई बार वो अपने फाइनेंशियल या पर्सनल स्ट्रेस भी ऐसे ही बताती है, ताकि मैं खुद मदद की पेशकश करूं। शुरू में मैंने किया भी, लेकिन अब मैं मेंटली थक गया हूं। क्या वह जानबूझकर ऐसा करती है ताकि मैं गिल्ट महसूस करूं? क्या ये इमोशनल इंफ्लुएंस है? मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- सबसे पहले तो शुक्रिया कि आपने इतने स्पष्ट शब्दों में सवाल पूछा। इसी तरह हेल्दी रिलेशनशिप के लिए भी स्पष्ट संवाद जरूरी है। आपने लिखा कि आपकी पार्टनर हर बात इशारों में कहती है। ऐसी स्थिति में थकान महसूस होना स्वाभाविक है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और प्रैक्टिकल सॉल्यूशन पर बात करते हैं। पार्टनर बता रहा है या पहेली बुझा रहा है? रिलेशनशिप में अपनी बात रखना हर किसी का हक है, लेकिन उसे कहने का तरीका स्पष्ट होना चाहिए। बार-बार बातों को घुमाना और खुद को 'बेचारा' दिखाना इमोशनल मैनिपुलेशन है। यह स्थिति धीरे-धीरे रिश्ते की सहजता को खत्म कर सकती है। 'मैनिपुलेशन' और 'हेल्दी कम्युनिकेशन' में क्या फर्क है- पहले 'मैनिपुलेशन'- काश! मेरे पास भी उसके जैसा बैग होता। सब घूमते हैं, मेरी ही किस्मत खराब है। मेरे पास गर्मियों के अच्छे कपड़े ही नहीं हैं। सिर फट रहा है, कोई पूछने वाला नहीं। कोई मदद नहीं करता, मैं अकेले खटती हूं। अब हेल्दी कम्युनिकेशन- मुझे नए बैग की जरूरत है। इस वीकेंड बाहर चलना चाहिए। मुझे गर्मियों के नए कपड़े लेने हैं। मेरे सिर में दर्द है, मेरे पास बैठो। मैं खाना बना रही हूं, तुम बर्तन धो दो।

मैनिपुलेशन की साइकोलॉजी- अगर किसी रिलेशनशिप में एक पार्टनर हर बार इशारों में बात कहता है, तो दूसरा 'डिकोडिंग मोड' में चला जाता है। इसे 'डिसीजन फटीग' भी कहते हैं, जहां व्यक्ति हर वक्त यह सोचकर तनाव में रहता है कि सामने वाले की किस बात का क्या मतलब है। आपने लिखा कि आपकी गर्लफ्रेंड अपनी डिमांड्स इसी तरह रखती है। इसके बावजूद अगर आप सभी डिमांड्स पूरी कर रहे हैं तो आपको सेल्फ-एसेसमेंट करना चाहिए। कहीं आप 'गिल्ट ट्रिप' के शिकार तो नहीं, अपना सेल्फ-एसेसमेंट करें-रिश्तों में कभी-कभी हम वह सब भी करने लगते हैं, जो नहीं करना चाहते। इसकी वजह 'गिल्ट' हो सकती है। नीचे दिए एसेसमेंट टेस्ट से समझिए कि कहीं आप 'गिल्ट ट्रिप' में तो नहीं जा रहे हैं। कैसे करें? नीचे 7 सवाल दिए गए हैं। हर सवाल को ध्यान से पढ़ें और अपनी स्थिति के अनुसार खुद को 0 से 3 के बीच नंबर दें- 0ः बिल्कुल नहीं, 1ः कभी-कभार, 2ः अक्सर, 3ः हमेशा/हर बार, मैं बिना गलती अपराधबोध फील करता हूं। मुझे लगता है कि उसकी डिमांड पूरी करनी चाहिए। मुझे लगता है कि डिमांड पूरी करना मेरी ड्यूटी है। लेकिन करने के बाद मुझे अच्छा फील नहीं होता। मैं खुद को ठगा हुआ सा महसूस करता हूं। मैं सिर्फ उसे खुश करने के लिए ऐसा करता हूं। मुझे डर है कि डिमांड्स पूरी न हुईं तो वो नाराज होगी। फिर स्कोर एनालिसिस करें- सभी सवालों के नंबरों को जोड़ लें और अपना टोटल स्कोर देखें। अगर स्कोर 15 से ऊपर है, तो यह 'क्रॉनिक गिल्ट ट्रिप' का संकेत है।

इसका मतलब है कि आपको अपनी बाउंड्रीज तय करने और खुद पर काम करने की सख्त जरूरत है। अगर स्कोर 6-14 के बीच है तो सतर्क हो जाएं और सुधार करें। अगर स्कोर 1-5 के बीच है तो कोई समस्या नहीं है। आपने लिखा कि वह अपनी पर्सनल बातें शेयर करते समय भी यही तरीका फॉलो करती है। साइकोलॉजी के मुताबिक, कुछ लोग ऐसा इसलिए करते हैं, ताकि 'ना' की गुंजाइश खत्म हो जाए।

उन्हें लगता है कि चीजें सीधे मांगने पर मना किया जा सकता है। इसलिए वे अपनी बात कहने के लिए इशारों का सहारा लेते हैं। लेकिन किसी भी रिश्ते में यह तरीका हेल्दी नहीं है। पहेलियां सिर्फ रोमांस में अच्छी लगती हैं। सामान्य चीजों के लिए रोज 'माइंड रीडिंग' करना थकाऊ हो सकता है। स्वस्थ रिश्ता वो है, जहां दोनों पार्टनर खुलकर साफ बात करते हैं। इच्छा और नाराजगी दोनों ईमानदारी से जाहिर करते हैं। कभी-कभी लोग अनजाने में भी इस तरह बिहेव करते हैं। ऐसा हो सकता है कि उन्होंने बचपन से इसी तरह अपनी बातें मनवाई हों। इसे 'लर्न्ड बिहेवियर' कहते हैं। लेकिन एडल्ट रिलेशनशिप में यह तरीका 'टॉक्सिक' है। आपको भी यह समझना होगा कि हेल्दी और टॉक्सिक बिहेवियर में क्या फर्क है- समझदार आदमी को क्या करना चाहिए? नीचे दिए 6 पॉइंट्स से समझें कि इस सिचुशन में क्या करना चाहिए-बाउंड्री सेट करेंः अपनी आर्थिक और मानसिक सीमाओं को स्पष्ट करें।

बताएं कि आप क्या कर सकते हैं और क्या आपकी क्षमता से बाहर है। खुलकर बातचीत करेंः जब वह इशारों में बात करे तो बहुत ही सौम्यता से कहें, 'मैं समझ नहीं पा रहा कि तुम क्या कहना चाह रही हो, क्या तुम खुलकर बताओगी?' पार्टनर को अपनी बात सीधे कहने के लिए प्रोत्साहित करें। पैसे का दिखावा न करेंः रिश्ते में गिफ्ट्स से ज्यादा अहमियत समय और इमोशनल सपोर्ट को दें। शर्मिंदगी महसूस न करेंः अगर आप कोई डिमांड पूरी नहीं कर पाते तो उसे अपनी असफलता न मानें। गर्लफ्रेंड को 'क्राउन' न समझेंः उसे अपना पार्टनर मानें। एक साथी अपनी जरूरतों के लिए दूसरे पर दबाव नहीं डालता, बल्कि मिलकर समाधान निकालता है। शोशेबाजी न करेंः बाहरी चमक-धमक की बजाय रिश्ते की गहराई और सच्चाई पर ध्यान दें। अंतिम सलाह-कोई रिश्ता 'माइंड रीडिंग' से नहीं, बल्कि 'स्पष्ट संवाद' से सुंदर बनता है। अगर पार्टनर की बातें पहेली बन जाएं, तो उन्हें सुलझाने की बजाय खुलकर बात करें। विनम्रता से अपनी बाउंड्रीज बताएं और खुद को भी अनावश्यक गिल्ट से मुक्त रखें।

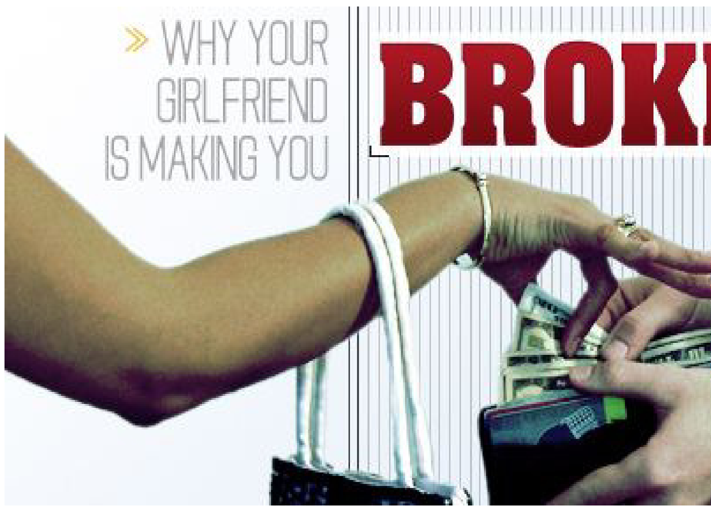

बंगाल जीत के बाद यूपी पर निर्भरता घटेगी

कहते हैं रेगिस्तान में दूर चमकती रेत को देखकर जिन्हें वहाँ नेहरू जी का हो, इंदिरा गांधी का या राजीव गांधी का। लेकिन तब देखकर जिन्हें वहाँ पानी होने का भ्रम नहीं होता, जरूर उनकी प्यास का। लेकिन तब से अब तक गंगा नदी में बहुत पानी बह चुका है!

पानी होने का भ्रम नहीं होता, जरूर उनकी प्यास में कोई कमी रही होगी! भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल वर्षों से एक तरह का राजनीतिक रेगिस्तान था। लेकिन उसकी प्यास में कोई कमी नहीं थी।आगे की सोच और उम्दा रणनीति ने आखिर भाजपा को जीत दिला ही दी। अब गंगोत्री से गंगासागर तक भारत भाजपामयी हो चुका है! पश्चिम बंगाल की जीत ने एक तरह से भाजपा के लिए 2029 के लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत का रास्ता भी खोल दिया है।पहले कभी कहा जाता था कि भारतीय राजनीति की हवा गंगा से होकर ही बहती है। मायने ये थे कि जिसका उत्तर प्रदेश, उसी का देश। चाहे वो जमाना से अब तक गंगा नदी में बहुत पानी बह चुका है! अभी 2024 के लोकसभा चुनावों को ही देख लीजिए- उत्तर प्रदेश में भाजपा को भारी नुकसान होने के कारण वह बहुमत से पीछे रह गई थी।लेकिन, अब बिहार और पश्चिम बंगाल में मजबूती के साथ पैर जमाने के बाद भाजपा की अकेले उत्तर प्रदेश पर निर्भरता बहुत कम हो जाएगी। वजहें साफ हैं। ममता के करीबी और उनकी पार्टी का कैडर सत्ता में न होने के कारण बिखरने लगेगा। धनबल कम होता जाएगा। बाहुबल तो बचेगा ही नहीं, जिसके दम पर 15 साल तक शासन, सरकार और पार्टी को चलाया गया। कहते हैं रेगिस्तान में दूर चमकती रेत को में कोई कमी रही होगी! भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल वर्षों से एक तरह का राजनीतिक रेगिस्तान था। लेकिन उसकी प्यास में कोई कमी नहीं थी।

आगे की सोच और उम्दा रणनीति ने आखिर भाजपा को जीत दिला ही दी। अब गंगोत्री से गंगासागर तक भारत भाजपामयी हो चुका है! पश्चिम बंगाल की जीत ने एक तरह से भाजपा के लिए 2029 के लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत का रास्ता भी खोल दिया है।

पहले कभी कहा जाता था कि भारतीय राजनीति की हवा गंगा से होकर ही बहती है। मायने ये थे कि जिसका उत्तर प्रदेश, उसी का देश। चाहे वो जमाना नेहरू जी का हो, इंदिरा गांधी का या राजीव गांधी अभी 2024 के लोकसभा चुनावों को ही देख लीजिए- उत्तर प्रदेश में भाजपा को भारी नुकसान होने के कारण वह बहुमत से पीछे रह गई थी।

लेकिन, अब बिहार और पश्चिम बंगाल में मजबूती के साथ पैर जमाने के बाद भाजपा की अकेले उत्तर प्रदेश पर निर्भरता बहुत कम हो जाएगी।

वजहें साफ हैं। ममता के करीबी और उनकी पार्टी का कैडर सत्ता में न होने के कारण बिखरने लगेगा। धनबल कम होता जाएगा। बाहुबल तो बचेगा ही नहीं, जिसके दम पर 15 साल तक शासन, सरकार और पार्टी को चलाया गया। (नवनीत गुर्जर)

हमारी दुनिया बिना शिक्षकों वाले स्कूलों के युग में प्रवेश कर रही है

परंपरागत शिक्षकों के बिना चलने वाले स्कूलों का दौर अब आ होते हैं। ये गाइड्स निर्देश देने की जगह छात्रों की प्रगति पर नजर लिए प्रेरित करता है। समर्थकों का दावा है कि इससे 'सेल्फ-डायरेक्शन' नहीं जूझती, न छात्रों में सबसे पहले काम खत्म करने की होड़ होती है।

चुका है। मैसाचुसेट्स के बोस्टन स्थित अल्फा स्कूल में आपका स्वागत है, जो इसी अकादमिक सत्र से खुलने जा रहा है। 'अल्फा' नाम जानबूझकर चुना गया है, ताकि यह स्कूल के मुख्य छात्रवर्ग ?को दर्शा सके, जो 2010 से 2024 के बीच जन्मी जनरेशन यानी अल्फा का हिस्सा हैं।

पहली बार स्कूली व्यवस्था में दाखिल हो रहे ये बच्चे इतिहास की डिजिटल तौर पर सबसे दक्ष पीढ़ी माने जाते हैं। इनके बाद आएगी 'जनरेशन-बीटा' (2025-2039 के बीच जन्मे), जिनके बारे में माना जाता है कि वे ऐसी दुनिया में रहेंगे, जहां एआई रोजमर्रा के हर काम का अभिन्न हिस्सा होगा।

अगर सोच रहे हैं कि ऐसे स्कूल में सामान्य दिन कैसा होता है, तो आप पेंसिल छीलने, रबर खोने या शिक्षक की बात सुनने की चिंता छोड़ सकते हैं। स्कूल में हर छात्र के पास एक लैपटॉप है, जिसमें एक समर्पित एआई ट्यूटर होता है। पढ़ाई हर छात्र की अपनी गति और स्तर के अनुसार होती है, जहां पारंपरिक शिक्षक की जगह 'गाइड्स' रखते हैं।

बोस्टन में कैम्ब्रिज स्ट्रीट पर स्कूल की पहली शाखा किंडरगार्टन से 8वीं तक के 25 छात्रों के छोटे समूह से शुरू होगी। अगले साल यह क्षमता 50 करने की योजना है। फीस 55 हजार डॉलर सालाना होगी। बोस्टन स्कूल समिति ने अभी इस प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी नहीं दी है और सवाल उठाए हैं कि क्या यह मॉडल सामान्य छात्रों की जरूरतों को प्रभावी तरीके से पूरा करता है। हालांकि, कई लोगों का मानना है कि अंततः समिति मंजूरी दे देगी, क्योंकि इस प्रोग्राम को ट्रम्प प्रशासन का मजबूत समर्थन है। बच्चों को इस शिक्षक-रहित स्कूल में दाखिला दिलाने के इच्छुक पैरेंट्स का तर्क है कि अल्फा मॉडल में बच्चे पारम्परिक संस्थानों की तुलना में बहुत तेजी से पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। वे इस सिस्टम को सेल्फ-पेस्ड बताते हैं, जो बच्चों को उनके बौद्धिक स्तर के अनुसार सिखाता है।

यह बच्चों को सहपाठियों से नहीं, बल्कि खुद के ही पिछले बेहतरीन प्रदर्शन से प्रतिस्पर्धा के और 'रेजिलिएंस' जैसे वास्तविक जीवन-कौशल विकसित होते हैं। इस नए ढांचे में 'शिक्षक' यानी एआई को हर छात्र की जरूरत के अनुसार कस्टमाइज किया गया है। यह उस मूल धारणा को चुनौती देता है कि सीखने के लिए इंसानी शिक्षक चाहिए।

इसकी जगह विचार यह है कि बच्चे खुद अपनी शिक्षा यात्रा के प्रोएक्टिव लीडर बन सकते हैं। छात्र गणित, विज्ञान और सोशल स्टडीज के लिए विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं, जबकि कमरे में मौजूद गाइड्स के लिए पारंपरिक शैक्षणिक योग्यता भी जरूरी नहीं है। इस अपारंपरिक तरीके के बावजूद स्कूल स्टेट करिकुलम फ्रैमवर्क का पालन करता है और आवश्यकता पड़े तो किसी छात्र की व्यक्तिगत जरूरत के मुताबिक रीडिंग स्पेशलिस्ट जैसे विशेष स्टाफ की नियुक्ति भी करता है।

शायद इस व्यवस्था का सबसे खास पहलू यह है कि कैसे एआई हर बच्चे को व्यक्तिगत तरीके से चुनौती देता है। अब पूरी कक्षा एक समय पर एक ही असाइनमेंट से इसके बजाय सॉफ्टवेयर हर यूजर के मुताबिक खुद को ढाल लेता है।

हालांकि कई पैरेंट्स स्क्रीन टाइम बढ़ने पर चिंता जताते हैं, लेकिन अकसर वे उद्देश्यहीन सोशल मीडिया उपयोग और निगरानी में किए जा रहे प्रोडक्टिव स्कूल वर्क के बीच अंतर को समझ कर संतुष्ट हो जाते हैं।

स्कूल प्रशासन का दावा है कि एआई से छात्र पूरे दिन के अकादमिक कार्य को महज दो घंटे में ही पूरा कर लेते हैं, जिससे दिन का बड़ा हिस्सा फिजिकल एजुकेशन और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों के लिए बचता है। इसके दीर्घकालीन प्रभावों को छोड़ें तो फिलहाल यह साफ है कि स्कूली शिक्षा का नया दौर आ चुका है। फंडा यह है कि हमें खुद को ऐसी जिंदगी के लिए तैयार करना होगा, जहां तकनीक इंसानी अनुभव में बड़ी भूमिका निभाएगी। जैसे-जैसे हमारा पारंपरिक ढांचा पलट रहा है, लगता है कि परिवारों में शिक्षा ही वह पहला अहम स्तंभ है, जो पूरी तरह बदलने जा रहा है। एन. रघुरामन

धरोहरों की सुरक्षा जरूरी, बशर्ते उसके उपाय सही हों

भारत का विरासतों के संरक्षण का फ्रेमवर्क बहुत भारी-भरकम, रूखा और प्रतिकूल असर डालने 300 मीटर वाला प्रतिबंध लागू होता है। यह तरीका यदि सच में संरक्षण को बेहतर करता तो इसकी हिमायत सुविधाएं तक बनाना कठिन होता है। इसीलिए कई स्थलों पर तो पहुंचना ही दूभर है। सुविधा का काम अटक गया। दिल्ली और कोलकाता मेट्रो के कार्यों में भी ऐसी ही बाधाएं आईं। इससे

वाला है। यह न तो अतीत को संरक्षित कर पा रहा है, न देश के भविष्य को आगे बढ़ने दे रहा है। इसका कारण 1958 का 'प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल व अवशेष अधिनियम' है। यह कानून देश के लगभग 3700 संरक्षित स्मारकों पर एक ही जैसे नियम लागू करता है- यह कि हर स्मारक के चारों ओर 100 मीटर का प्रतिबंधित क्षेत्र हो, जहां कोई निर्माण नहीं हो सकता और 200 मीटर का और नियंत्रित क्षेत्र हो, जहां विकास कार्यों पर कड़ा नियंत्रण होता है। बेहद सख्त लगने वाला यह फ्रेमवर्क असल में प्रभावहीन है। यह तमाम स्मारकों को एक जैसे नियमों में बांधता है, जबकि संरक्षण के लिहाज से बहुत कम फायदेमंद है। इसकी आर्थिक-सामाजिक लागत भी बहुत अधिक है। भारत में संरक्षित स्थलों की सूची असामान्य तरीके से विविधता भरी है। इनमें वैश्विक महत्व के स्थलों से लेकर छोटे-मोटे अवशेष तक हैं। कुछ तो औपनिवेशिक काल से चली आ रहीं कब्रें और कब्रस्तान हैं।सौ से ज्यादा तो 'कोस मीनारें' हैं, जो दूरी मापने के चिह्न थे। कुछ 'संरक्षित स्थल' असल में चलायमान वस्तुएं हैं, जबकि कुछ कागजों पर हैं। पर सभी पर वही की जा सकती थी। लेकिन व्यावहारिकता में यह बिल्कुल उलट है।एक समान प्रतिबंध स्मारकों के आसपास से गतिविधियां खत्म नहीं करता, बल्कि उन्हें अवैध बना देता है। कई स्मारकों के समीप ऐसे निर्माण याद ?कीजिए, जिनका ढांचा स्मारकों की दीवार तक पहुंच जाता है। यही अतिक्रमण किसी भी नियंत्रित विकास से ज्यादा नुकसान स्मारकों को पहुंचाता है।

इधर, औपचारिक विकास पर रोक के कारण आसपास कोई सार्थक आर्थिक गतिविधि भी नहीं पनप पाती। इससे वो राजस्व स्रोत भी खत्म होते हैं, जो असल में इन विरासतों को बनाए रखते हैं। मसलन, कैफे, छोटे व्यापार, सांस्कृतिक आयोजन। नतीजतन, स्मारकों का उचित रखरखाव नहीं हो पाता और वे धीरे-धीरे खराब होते जाते हैं। पर्यटन के लिए भी यह उतना ही नुकसानदायक है।

आप स्मारकों पर ऐसे नियम थोप दो तो फिर हैरिटेज टूरिज्म अलग से नहीं पनप सकता। पर्यटकों के लिए आधारभूत ढांचा और बुनियादी सुविधाएं जरूरी होती हैं। लेकिन देश में बहुत से स्मारकों में यह नदारद हैं। प्रतिबंधों के कारण वहां सम्पर्क-सड़क, पार्किंग, सेनिटेशन, लाइटें और जन-

इसके विपरीत, रोम के कोलोजियम, पेरिस के एफिल टावर और लंदन के ऐतिहासिक स्थलों को प्रतिबंधों के बजाय डिजाइन कंट्रोल, इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सामंजस्य, व्यापारिक गतिविधियों और सार्वजनिक स्थानों के जरिए घने शहरी माहौल से जोड़ा गया है। इसलिए अकेले एफिल टावर पर आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या भारत के सभी संरक्षित स्मारकों की मिली-जुली संख्या से चार गुना अधिक है।

यह नियम रोजमर्रा के जीवन की गुणवत्ता और गरिमा को भी प्रभावित करता है। शहरों में पूरे के पूरे इलाके इन नियमों में फंसे हुए हैं। महज मरम्मत की अनुमति में पांच साल तक लग जाते हैं। पुणे के शनिवारवाड़ा के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि प्रतिबंध के चलते वे जर्जर घरों में रहने को मजबूर हैं। मेट्रो कॉरिडोर, अस्पतालों का विस्तार और अन्य शहरी ढांचा विकास योजनाएं भी नियमों में उलझकर वर्षों तक अटकी रहती हैं। आगरा में मंजूरियां नहीं मिलने से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में बुनियादी सुविधाओं के काम अटक गए। कर्नाटक में मदिकेरी किले के प्रतिबंधित क्षेत्र में आने के कारण जिला अस्पताल में क्रिटिकल केयर लागत बढ़ती है, जनता को सेवा समय पर नहीं मिलती और आर्थिक अवसर खो जाते हैं।

इसका सबसे बड़ा असर उस विशाल जमीन के तौर पर दिखता है, जो इस व्यवस्था में लॉक हो चुकी है। भारतीय शहरों में अनुमानतः करीब 20 लाख करोड़ रुपए की जमीन इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में अटकी हुई है। अकेली दिल्ली में करीब 8.7 लाख करोड़ रुपए की करीब 16 हजार एकड़ जमीन इन नियमों में फंसी है।

बेहद महंगी और कम शहरी जमीन वाले देश में यह व्यवस्था आपूर्ति को बाधित करती है, कीमतें बढ़ाती है और अंततः विकास को रोकती है। विरासत-संरक्षण का हमारा यह मौजूदा तरीका इस गलत अनुमान पर आधारित है कि सिर्फ दूरी से ही सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है।

भारत के संरक्षित स्थलों में वैश्विक महत्व के स्थलों से लेकर छोटे-मोटे अवशेष तक हैं। अनेक कब्रें हैं। सौ से ज्यादा 'कोस मीनारें' हैं। कुछ 'संरक्षित स्थल' असल में चलायमान वस्तुएं हैं, जबकि कुछ कागजों पर हैं। पर सभी पर 300 मीटर वाला प्रतिबंध लागू होता है।(ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

यह जरूरी हो गया है कि हम अपने पूर्वी समुद्र की रक्षा करें

कल जब ऑपरेशन सिंदूर की पहली सालगिरह मनाई जाएगी तो हमें उन 87 घंटों में भारतीय सेना 50 किमी भूमि पट्टी पर, जहां उसकी दक्षिणी सीमा मलय प्रायद्वीप से जुड़ती है, नहर खोदने के अपने और चीन से पश्चिम तथा उत्तर की ओर से खतरा पेश आता रहा है। पूरब पर कम ध्यान दिया गया रोकने की संभावना के गलत आकलन में उलझ गई है। मलक्का स्ट्रेट इंडोनेशिया,

के पराक्रम की कई कहानियां सुनने-पढ़ने को मिल सकती हैं। लेकिन हमें यह विचार भी करना चाहिए कि भविष्य में हमें किस तरह की लड़ाई लड़नी पड़ सकती है। हमें पश्चिम से पूरब तक फैले अपने भौगोलिक विस्तार पर नजर डालनी चाहिए।फिलहाल हमारी पूर्वी सीमा पर शांति दिखती है, लेकिन यह स्थिति बदल सकती है। याद रहे कि फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने 9 अगस्त 2025 को फ्लोरिडा में दिए अपने भाषण में क्या दावे किए थे।उन्होंने कहा था कि अगली बार पाकिस्तान पूर्वी मोर्चे से लड़ाई शुरू करेगा क्योंकि वहीं भारत ने अपने कीमती संसाधन स्थापित किए हैं! अब जरा नक्शा खोलकर उस क्षेत्र पर नजर डालिए। आपको हमारे 3,416 किमी लंबे पूर्वी समुद्री तट पर क्या दिखता है?वहां बंगाल की खाड़ी के साथ सटी बांग्लादेश की 600 किमी लंबी समुद्री सीमारेखा है, उसके बाद म्यांमार की 2,227 किमी लंबी समुद्री सीमारेखा है। फिर थाईलैंड है। इससे दक्षिण में अंडमान सागर आपको मलक्का स्ट्रेट से होकर प्रशांत महासागर में पहुंचा देता है। इनमें से बांग्लादेश और खासकर म्यांमार चीन के दबदबे में आ सकते हैं। और अगर कभी, किसी स्थिति में थाईलैंड ने 'क्रा इस्थमुस' की सबसे संकरी इरादे को अमली जामा पहनाने का फैसला किया, तब जहाजों को प्रशांत महासागर से अंडमान सागर में पहुंचने का समय तीन दिन घट जाएगा।इसके अलावा, यह रणनीतिक दृष्टि से एक दबाव-क्षेत्र के रूप में मलक्का स्ट्रेट की हैसियत को कमजोर कर देगा। इस इरादे को हकीकत बनाने पर 55 अरब डॉलर का खर्च आएगा, जो इसे एक कपोल कल्पना जैसा बना देता है, लेकिन इसमें काफी संभावनाएं भी हैं। तभी तो यह विचार पिछले 350 वर्षों से कायम है।यह विचार अक्टूबर 2023 में तब चर्चा में आया था, जब थाईलैंड के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रेत्थ थाविसिन ने बीजिंग में 'बीआरआई' के मंच पर इसका अनमने ढंग से जिक्र किया था और यह कैमरों में दर्ज हो गया था।इसके बाद, आप यह सोचने में देर नहीं करेंगे कि अगर यह प्रोजेक्ट कभी वास्तविकता में बदला तो यह चीन की मदद से ही होगा और हो सकता है कि चीन उसका मालिक भी बन जाए। यह भारत के व्यस्त पूर्वी समुद्र तट, उसके किनारे बसे महानगरों और औद्योगिक क्षेत्रों को चीन के निशाने पर ला देगा। प्रशांत महासागर खतरनाक रूप से भारत के नजदीक आ जाएगा।इतिहास बताता है और यह स्वाभाविक भी रहा है कि भारत को पाकिस्तान है। 'क्वाड' को, और मलक्का जलडमरूमध्य की वजह से हासिल बढ़त की भी काफी चर्चा होती रही है, लेकिन मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भारत पूरब को लेकर आश्वस्त रहा है।यही वजह है कि हमारी थलसेना और वायुसेना उत्तर और पश्चिम पर ही नजर रखती रही है। यहां तक कि नौसेना का ध्यान भी पश्चिम पर ही रहा है। भूगोल ने भारत को अपनी सुरक्षा के लिए वह सब कुछ दिया है, जिसकी उसे जरूरत है। पूरब में अंडमान निकोबार द्वीप ऐसे विमानवाहक युद्धपोतों की तरह हैं, जिन्हें कभी डुबाया नहीं जा सकता। वे जहाजों, पनडुब्बियों, लड़ाकू तथा टोही विमानों के अड्डे बन सकते हैं।लंबी रेंज और ईंधन भरने की सुविधा के बूते भारत पूरी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और उससे आगे तक पर नजर रख सकता है। यह ग्रेट निकोबार द्वीप को हमारे दक्षिण का आखिरी क्षेत्र बना देता है, जो अनूठी रणनीतिक थाती बन जाती है। राहुल गांधी वहां बहुद्देशीय नगर एवं बंदरगाह के निर्माण का विरोध करने गए थे। दरअसल, वहां विशाल सैन्य अड्डा बनाने की योजना है।यह योजना चीन को मलक्का जलडमरूमध्य में मलेशिया और सिंगापुर जैसे ताकतवर स्वतंत्र देशों के बीच स्थित है। इसे बंद करने के लिए भारत को उसी तरह लापरवाह होना पड़ेगा, जिस तरह ईरान होर्मुज के मामले में है, क्योंकि यह दोस्तों और दुश्मनों-जापान, दक्षिण कोरिया और रूस भी को बाधा पहुंचाएगा।भारत इतना जोखिम तभी उठा सकता है, जब वह सचमुच में हताशा की स्थिति में पहुंच जाए। इसलिए, देश के कवच के रूप में द्वीपों, खासकर ग्रेट निकोबार पर नजर रखना ज्यादा आसान है। अगर इन्हें बुद्धिमानी और धैर्य के साथ विकसित किया जाए तो ये पूर्वी भारत को वैसी ही सुरक्षा दे सकते हैं, जैसी हिमालय उत्तर भारत को दे रहा है। यह परियोजना अब शुरू हो गई है। सोचें अगले 10-15 साल में क्या कुछ नया उभर सकता है?आज जब सत्ता-समर्थक सोशल मीडिया पर बांग्लादेश के खिलाफ गुस्सा और उस पर अविश्वास चरम पर है, तब मैं बस इतना ही कहूंगा कि पूरब के बारे में सोचिए, पूर्वी समुद्रतट के बारे में विचार कीजिए और अपनी ताकत बढ़ाते हुए उन द्वीपों पर नजर रखिए।(ये लेखक के अपने विचार हैं,शेखर गुप्ता)

थलापति विजय का सीएम बनना तय, बस 11 कदम दूर,कांग्रेस के 5 विधायक तैयार,तोड़ जोड़ बाकि

चेन्नई। सरकार की कुछ तो कमी रही होगी, जो ऐसा जनादेश आया है।'सीनियर जर्नलिस्ट डी. सुरेश कुमार कहते हैं कि विजय की पार्टी ने दो गठबंधनों को हराया है। 35फीसदी वोट हासिल किए हैं। दोनों में से कोई भी गठबंधन उन्हें सत्ता से बाहर रखने की कोशिश करेगा, तो टीवीके समर्थक उन्हें घेर लेंगे। इसलिए ऐसी गलती कोई पार्टी नहीं करना चाहेगी। संभावना 2-टीवीके सोर्स बताते हैं कि कुछ पार्टियों से बाहर से समर्थन मांग रहे हैं। अभी कुछ तय नहीं हुआ है। अगर राज्यपाल समर्थन पत्र मांगते भी हैं, तो दिक्कत नहीं आएगी। टीवीके विधायक संगोटे श्रीनिवासन पहले एआईए-डीएमके में थे। उनसे जुड़े एक सोर्स का दावा है कि वे एआईए-डीएमके के नेताओं से बात कर रहे हैं। पहले पार्टी चीफ पलानीस्वामी को मना रहे हैं। वे राजी नहीं हुए तो विधायकों से बात करेंगे। एआईए-डीएमके से विधायक तोड़ने की भी कोशिश की जा सकती है। पॉलिटिकल एनालिस्ट राम कुमार मानते हैं कि विजय के लिए एआईए-डीएमके के साथ सरकार बनाना सबसे सुरक्षित और आसान विकल्प है। वीसीके, सीपीआई, सीपीएम के पास 2-2 और डीएमडीके के पास एक सीट हैं। ये सभी डीएमके की सहयोगी हैं। इसलिए विजय के साथ जाने से बचेंगी। संभावना 3-तमिलनाडु के सीएम रहे स्टालिन चुनाव हार गए हैं। उनके बेटे उदयनिधि जीते हैं। उदयनिधि तमिल फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े रहे हैं, इसलिए ऐसे कयास थे कि वे विजय को समर्थन दे सकते हैं। हालांकि डीएमके के सोर्स इसकी संभावना न के बराबर बता रहे हैं। पार्टी के एक नेता कहते हैं, 'हमारे लीडर स्टालिन को विजय की पार्टी को समर्थन देना कभी मंजूर नहीं होगा। हमें विपक्ष में बैठने का जनादेश मिला है, हम अपनी भूमिका निभाएंगे।' पॉलिटिकल एनालिस्ट राम कुमार भी मानते हैं कि डीएमके के विजय को समर्थन देने की गुंजाइश बहुत कम है। विजय का पूरा प्रचार स्टालिन सरकार के भ्रष्टाचार पर फोकस था। अगर वे उन्हीं का समर्थन लेंगे, तो ये बात लोगों को हजम नहीं होगी। संभावना 4-सरकार बनाने के लिए विजय को सदन में विश्वास मत हासिल करना होगा। एक संभावना ये भी है कि उस वक्त कुछ विधायक सदन में मौजूद न रहें। 30-32 विधायक हिस्सा न लें। इससे बहुमत के लिए जरूरी संख्या कम हो जाएगी। इसे ऐसे समझिए कि तमिलनाडु विधानसभा में 234 सीटें हैं। बहुमत के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए। अगर फ्लोर टेस्ट के वक्त विपक्ष के 30 विधायक सदन से बाहर चले जाते हैं, तो सदन की 'प्रभावी संख्या' 204 रह गई। अब सरकार बचाने के लिए 103 विधायकों की जरूरत होगी। ऐसा होने पर विजय मौजूदा नंबर्स में ही सरकार बना लेंगे। अगर पार्टियों ने सभी विधायकों को मौजूद रहने का व्हिप जारी किया, तब दिक्कत हो सकती है। विजय की पार्टी के चीफ स्पोक्सपर्सन फेलिक्स गेराल्ड दावा करते हैं, 'हम सरकार बना रहे हैं। विजय 7 मई को शपथ लेंगे। सरकार बनाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अभी किसी की पुष्टि नहीं कर सकते। गवर्नर के पास दो विकल्प- एक्सपर्ट डी. सुरेश कुमार कहते हैं कि तमिलनाडु में गवर्नर के पास दो विकल्प हैं। पहलाः विजय से 118 विधायकों का समर्थन पत्र मांगें। उन्हें सरकार बनाने के लिए बुलाएं। इसमें विजय को दिक्कत होगी। उन्हें पहले गठबंधन बनाना होगा। कम वक्त की वजह से समर्थन करने वाली पार्टियों की शर्तें माननी पड़ेंगी। दूसरीः गवर्नर बिना समर्थन पत्र मांगे विजय को सरकार बनाने के लिए बुला लें और शपथ ग्रहण करवा दें। ऐसे में विजय को विधायकों का समर्थन हासिल करने और सदन में बहुमत साबित करने का वक्त मिल जाएगा।

कर्ज से परेशान पाकिस्तान ने शराब एक्सपोर्ट शुरू किया,गैर मुस्लिम देशों को सप्लाई,50 साल पहले मज़हब का हवाला देकर बैन किया था

इस्लामाबाद। कर्ज से जूझ रहे पाकिस्तान ने 50 साल बाद फिर से दूसरे देशों को शराब बेचना शुरू कर दिया है। देश की इकलौती लोकल कंपनी मरी ब्रूअरी ने अप्रैल 2026 में ब्रिटेन, जापान, पुर्तगाल और थाईलैंड जैसे देशों को बीयर और अन्य अल्कोहलिक ड्रिंक्स एक्सपोर्ट की हैं। कंपनी के एक्सपोर्ट मैनेजर रमीज शाह के मुताबिक, अभी शुरुआत में विदेशों में नेटवर्क बनाया जा रहा है और आगे चलकर प्रोडक्शन बढ़ाने की योजना है। पाकिस्तान में मुस्लिम आबादी के लिए करीब 50 साल पहले इस्लामिक नियमों का हवाला देकर शराब पर बैन लगाया गया था। इसके बाद शराब का एक्सपोर्ट भी बंद हो गया था। हालांकि, पाकिस्तान में गैर-मुस्लिमों के लिए कुछ छूट थी। पाकिस्तान सरकार ने 2025 में शराब एक्सपोर्ट की अनुमति दी थी, जिसके बाद अब उन देशों में सप्लाई शुरू की गई जो ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) का हिस्सा नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी सरकार की कमाई और खर्च के बीच बड़ा अंतर है। वित्त वर्ष 2026 में सरकार की वास्तविक आय करीब 11,072 अरब पाकिस्तानी रुपए (40 अरब डॉलर) है, जबकि खर्च 16,286 अरब रुपए (58 अरब डॉलर) तक पहुंच चुका है। इसमें से करीब 8,200 अरब रुपए (30 अरब डॉलर) सिर्फ कर्ज के ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं।

पाकिस्तान पर इस समय लगभग 38,640 अरब पाकिस्तानी रुपए (138 अरब डॉलर) का बाहरी कर्ज है। इसमें सरकारी कर्ज के अलावा निजी क्षेत्र, बैंकों और कंपनियों की देनदारियां भी शामिल हैं। इसमें से करीब 25,760 अरब पाकिस्तानी रुपए (92 अरब डॉलर) सरकारी कर्ज है। पहले नॉन-अल्कोहलिक प्रोडक्ट ही बेच रही थी मरी ब्रूअरी-पिछले कई सालों से मरी ब्रूअरी सिर्फ नॉन-अल्कोहलिक ड्रिंक्स का एक्सपोर्ट कर रही थी। इसमें पैकेज्ड जूस, मिनरल वाटर और फ्रूट फ्लेवर वाली ड्रिंक्स शामिल हैं। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कमाई 100 मिलियन डॉलर (28 अरब पीकेआर) रही। कंपनी के सीईओ इस्फानयार भंडारा ने एक्सपोर्ट लाइसेंस के लिए कोशिश की थी। 2021 में पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में एक चीनी कंपनी को भी शराब बनाने की इजाजत दी थी, ताकि वहां काम कर रहे चीनी नागरिकों की जरूरतें पूरी हो सकें। बैन से पहले मरी ब्रूअरी भारत, अफगानिस्तान और अमेरिका जैसे देशों में शराब का निर्यात करती थी। अब एक बार फिर कंपनी विदेशी बाजार में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। भुट्टो ने शराब की बिक्री पर रोक लगाई थी-अप्रैल 1977 में पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो ने देश में शराब की बिक्री पर रोक लगा दी थी। उस वक्त भुट्टो सरकार के खिलाफ एक बड़ा और हिंसक विरोध आंदोलन चल रहा था। भुट्टो पर 1977 के चुनाव में धांधली करने के अलावा 'पश्चिमी लाइफस्टाइल' अपनाने जैसे आरोप लग रहे थे। जब भुट्टो ने इन विपक्षी नेताओं से बातचीत शुरू की, तो उनकी कुछ मांगें थीं। जैसे नाइट क्लब और बार बंद किए जाएं और शराब की बिक्री पूरी तरह रोकी जाए। इसी दबाव में भुट्टो सरकार ने कराची में बनने वाले एक बड़े कैसीनो की योजना भी रद्द कर दी। इस कैसिनों को मई 1977 में शुरू होना था। यह कैसीनो एक कारोबारी तुफैल शेख बना रहे थे, जिनके पुराने सैन्य शासक अयूब खान और बाद में भुट्टो सरकार से अच्छे संबंध थे। शेख पहले से ही कराची के सद्दर इलाके में होटल और नाइट क्लब चलाते थे और उन्हें उम्मीद थी कि नए कैसीनो खाड़ी देशों और यूरोप से बहुत से टूरिस्ट पाकिस्तान आएंगे। जब भुट्टो ने शराब और नाइट क्लब पर रोक लगाने का फैसला किया, तो शेख परेशना हो गए। लेकिन भुट्टो ने उन्हें भरोसा दिया कि यह सिर्फ कुछ समय के लिए है और हालात ठीक होते ही इसे खत्म कर दिया जाएगा। जिया उल हक ने और सख्त कानून बनाए-कागज पर भले ही बार और शराब की दुकानें बंद हो गई थीं, लेकिन होटलों और दुकानों के पीछे के रास्तों से शराब आसानी से मिल रही थी। लेकिन भुट्टो ज्यादा दिन सत्ता में नहीं रह पाए। जुलाई 1977 में एक सैन्य शासक जिया उल हक ने उनकी सरकार गिरा दी। जिया ने सत्ता में आने के बाद इस कानून को और सख्त कर दिया और इसे इस्लामी कानून से जोड़ दिया। इसमें साफ कहा गया कि मुसलमानों के लिए शराब बेचना और पीना गैरकानूनी है और इसके लिए कड़ी सजा होगी। हालांकि एक रास्ता छोड़ा गया- लाइसेंस वाली शराब की दुकानें। ये दुकानें सिर्फ गैर-मुस्लिम लोगों के नाम पर चल सकती थीं और उन्हें ही शराब बेचने की अनुमति थी। विदेशी लोग भी सरकार से परमिट लेकर वहां से शराब खरीद सकते थे। मुशर्रफ ने कानून में ढील दी-समय के साथ पाकिस्तान में ऐसी लाइसेंस वाली शराब की दुकानों की संख्या बढ़ती गई, खासकर सिंध और बलूचिस्तान में, जैसे कराची और क्वेटा में। जनरल परवेज मुशर्रफ के दौर (1999-2008) में ये और बढ़ीं। मुशर्रफ खुद को उदारवादी बताते थे। उन्होंने 1979 के कानून को हटाने की कोशिश की, लेकिन राजनीतिक मजबूरियों के कारण ऐसा नहीं कर पाए। हालांकि उनके समय में शराब से जुड़े कानून को लागू करने में ढील दे दी गई। इस वजह से मुसलमानों के लिए भी शराब हासिल करना आसान हो गया था। दावा- शराब बैन की वजह से कई लोग हेरोइन की तरफ चले गए-पाकिस्तान के धार्मिक संगठन आज भी कहते हैं कि सरकारें शराबबंदी को सही तरीके से लागू नहीं करतीं। वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग कहते हैं कि इस पाबंदी ने अवैध शराब माफिया को जन्म दिया और जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हुई। उनका यह भी कहना है कि शराब पर रोक के कारण कई लोग हेरोइन की तरफ चले गए, जो कहीं ज्यादा खतरनाक है। एक आंकड़ा इस बात को दिखाता है कि 1979 में पाकिस्तान में हेरोइन के सिर्फ दो मामले सामने आए थे, लेकिन 1985 तक पाकिस्तान दुनिया में हेरोइन के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में शामिल हो गया। 2008 की एक स्टडी में भी पाया गया कि 1977 और 1979 की पाबंदियों के बावजूद पाकिस्तान में शराब का सेवन जारी रहा, क्योंकि अवैध तरीके मौजूद थे। इससे यह बात सामने आती है कि कानून बनाकर लोगों की आदतों को पूरी तरह नहीं बदला जा सकता। दक्षिण एशिया में 5000 साल से शराब पी जा रही-धार्मिक लोग अक्सर कहते हैं कि शराब पीना इस्लाम के खिलाफ है और यह आदत अंग्रेजों के समय की देन है। लेकिन इतिहास कुछ और कहता है। दक्षिण एशिया में लोग 5000 साल से शराब पी रहे हैं। सिंधु घाटी सभ्यता में भी शराब बनाई जाती थी। तक्षशिला म्यूजियम में दुनिया के सबसे पुराने डिस्टिलर में से एक रखा है, जो मोहनजोदड़ो में मिला था।मुगल और दिल्ली सल्तनत के दौर में शराब, भांग और अफीम सब आम थे। कई शासक खुद शराब पीते थे। कुछ ने रोक लगाने की कोशिश की, लेकिन यह पूरी तरह सफल नहीं हुई।

यूपी की कुछ ख़बरें झटपट

1. योगी ने मछली पर रवि किशन की चुटकी ली, सांसद बोले- मैं पंडित आदमी, खाता नहीं हूं

सीएम योगी ने मंगलवार को गोरखपुर में शिक्षामित्रों को सम्मानित किया। बढ़े हुए वेतन (18 हजार) की धनराशि के चेक बांटे। योगी ने रवि किशन के बंगाल में मछली खाने वाले बयान पर चुटकी ली। उन्होंने कहा- महेसरा में पहले जाम लगता था, क्योंकि रवि किशन के पसंद की चीज यहां मिलती थी। इस पर पीछे से रवि किशन कहते रहे कि पंडित आदमी हूं, मैं नहीं खाता।

2. बंगाल जीत पर राजभर बोले- अखिलेश एसी-पीसी वाले नेता, 2027 में लंदन चले जाएंगे

बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत के बाद यूपी सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने कहा- अखिलेश यादव ट्वीट, एसी और पीसी के नेता हैं। जिस दिन अखिलेश ने ट्वीट कर ममता दीदी के जीत की मुनादी शुरू की, उसी दिन पक्का हो गया था कि वह हारने जा रहीं। राजभर ने 'एक्स' पर लिखा- 2027 चुनाव के बाद अखिलेश की राजनीति खत्म हो जाएगी। वह लंदन चले जाएंगे।

3. जालौन के 4 पुलिसवालों समेत 5 की मौत, हरियाणा में एक्सप्रेस-वे पर स्कॉर्पियो टकराई

जालौन के 4 पुलिसकर्मियों समेत 5 की हरियाणा के नूंह में सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा मंगलवार सुबह साढ़े 10 बजे एक्सप्रेस-वे पर हुआ। मरने वालों में 2 दरोगा, 2 सिपाही और ड्राइवर शामिल हैं। पुलिसकर्मी अपहरण के मामले में स्कॉर्पियो से दबिश देने गए थे। ओवरटेक करने की कोशिश में स्कॉर्पियो सामने से आ रही दूसरी गाड़ी से जोरदार टक्कर हो गई।

4. मंत्री राजभर का गनर रेप के आरोप में गिरफ्तार, लड़की बोली- 4 साल तक संबंध बनाए, गर्भपात कराया

यूपी सरकार में मंत्री ओपी राजभर के गनर प्रशांत राय (29) को सोमवार को वाराणसी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। युवती ने बताया- शादी का झांसा देकर आरोपी ने मुझे फंसाया। 4 साल तक संबंध बनाए। 2 बार गर्भवती हुई तो गर्भपात करा दिया। फिर गुपचुप तरीके से 25 अप्रैल को प्रयागराज में दूसरी लड़की से शादी रचा ली। सोशल मीडिया पर मैंने शादी की तस्वीरें देखी।

5. आगरा में तेज बारिश, ललितपुर में हजारों क्विंटल गेहूं भीगा, बच्ची बोली- डीएम अंकल, सड़क बनवा दो

यूपी में मंगलवार को लखनऊ, आगरा, प्रतापगढ़, झांसी, अमेठी, गाजीपुर और भदोही में बारिश हुई। आगरा में ताजमहल का दीदार करने पहुंचे पर्यटक भीग गए। ललितपुर में खुले गेहूं क्रय केंद्रों पर रखा हजारों क्विंटल गेहूं भीग गया। लखीमपुर खीरी में कक्षा 1 की छात्रा ने वीडियो जारी कर कहा- 'हेलो डीएम अंकल, आप बहुत अच्छे हैं, मेरी सड़क बनवा दो।'

6. 4बच्चों और उनकी मां के हत्यारे का परिवार बोला- हमारा कोई रिश्ता नहीं, दफनाने से इनकार किया

अंबेडकरनगर में महिला और चार बच्चों के हत्यारे आमिर के शव को दफनाने परिवार ने इनकार कर दिया। इमाम ने कब्र पर फातिहा पढ़ने से भी मना कर दिया। पुलिस ने खुद शव को सुपुर्द-ए-खाक करने की तैयारी कर ली। सोमवार सुबह 19 साल के आमिर को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया था। उसने 2 मई को महिला और उसके चार बच्चों की हत्या कर दी थी।

7. शामली में आईटीआई छात्र का कुएं में जला हुआ शव मिला, शरीर पर एक कपड़ा भी नहीं था

शामली में एक आईटीआई छात्र की हत्या कर दी गई। उसका शव कुएं में फेंक दिया। शव पूरी तरह जला हुआ था और शरीर पर एक भी कपड़ा नहीं था। वह सोमवार रात पशुओं के लिए बने घेर में सोने गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रस्सी की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। मृतक अपने परिवार का इकलौता बेटा था। घटना ऊन थाना क्षेत्र की है।

8. महिला को जिंदा जलाने वाले को फांसी की सजा, मथुरा में बहन की देवरानी से रेप की कोशिश की थी

मथुरा जिला कोर्ट ने घर में

घुसकर महिला को जिंदा जलाने वाले आरोपी को फांसी की सजा सुनाई है। आरोपी ने मार्च, 2025 में अपनी बहन की देवरानी के साथ रेप करने की कोशिश की थी।महिला के विरोध करने पर उसे पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। इस दौरान आरोपी भी झुलस गया। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां महिला की मौत हो गई थी।

9. गर्लफ्रेंड वश में करने को चिता से हड्डियां चुराईं, हापुड़ में तांत्रिक ने कहा था- खोपड़ी ले आओ

हापुड़ में एक युवक प्रेमिका को वश में करने के लिए तांत्रिक के चक्कर में फंस गया। उसके कहने पर चिता से हड्डियां और खोपड़ी चुरा लीं। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को दोस्त और तांत्रिक समेत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को तांत्रिक के पास से 50 पुरुषों और महिलाओं की तस्वीरें मिली हैं। आरोपी प्रेमी, उसके दोस्त और तांत्रिक की फुटेज सीसीटीवी में कैद हो गई थीं।

10. लखनऊ में डीएम ने पूड़ी-सब्जी बांटी, गन्ने के रस का भंडारा कराने वाले ने बजरंगबली से माफी मांगी

ज्येष्ठ महीने का आज पहला बड़ा मंगल है। लखनऊ में 1000 से ज्यादा जगहों पर भंडारे चल रहे। डीएम विशाख जी. ने भंडारे में पूड़ी-सब्जी बांटी। हजरतगंज में एक युवक ने 4 क्विंटल गन्ने के रस का भंडारा कराया। उसने कहा कि कॉमर्शियल सिलेंडर महंगा होने पर बिना सिलेंडर के ही भंडारा करा दिया है। बजरंगबली ने सब दिया है। मैं उनसे माफी मांगता हूं।

11. मेरी मां के हत्यारों को फांसी दो, फिरोजाबाद में गले में तख्ती डालकर एसएसपी ऑफिस पहुंता मासूम

फिरोजाबाद में एक युवक अपने 6 साल के बच्चे के साथ एएइ ऑफिस पहुंचा। पिता-बेटे दोनों ने गले में एक तख्ती लटका रखी थी। बेटे की तख्ती पर लिखा था- मेरी मां शिवानी चंदेल के हत्यारों को फांसी दो। वहीं, युवक के गले की तख्ती पर लिखा था- मां सुधा देवी नहीं तो सरकार मुझे इच्छा मृत्यु की इजाजत दे। युवक की पत्नी ने एक महीने पहले सुसाइड कर लिया था।

10. लखनऊ में डीएम ने पूड़ी-सब्जी बांटी, गन्ने के रस का भंडारा कराने वाले ने बजरंगबली से माफी मांगी

ज्येष्ठ महीने का आज पहला बड़ा मंगल है। लखनऊ में 1000 से ज्यादा जगहों पर भंडारे चल रहे। डीएम विशाख जी. ने भंडारे में पूड़ी-सब्जी बांटी। हजरतगंज में एक युवक ने 4 क्विंटल गन्ने के रस का भंडारा कराया। उसने कहा कि कॉमर्शियल सिलेंडर महंगा होने पर बिना सिलेंडर के ही भंडारा करा दिया है। बजरंगबली ने सब दिया है। मैं उनसे माफी मांगता हूं।

11. मेरी मां के हत्यारों को फांसी दो, फिरोजाबाद में गले में तख्ती डालकर एसएसपी ऑफिस पहुंता मासूम

फिरोजाबाद में एक युवक अपने 6 साल के बच्चे के साथ SSP ऑफिस पहुंचा। पिता-बेटे दोनों ने गले में एक तख्ती लटका रखी थी। बेटे की तख्ती पर लिखा था- मेरी मां शिवानी चंदेल के हत्यारों को फांसी दो। वहीं, युवक के गले की तख्ती पर लिखा था- मां सुधा देवी नहीं तो सरकार मुझे इच्छा मृत्यु की इजाजत दे। युवक की पत्नी ने एक महीने पहले सुसाइड कर लिया था।

12. सपा नेता का 50 साल छोटी लड़की से चौथा निकाह, दूसरी पत्नी ने गाजियाबाद पुलिस से शिकायत की

गाजियाबाद में सपा नेता हाजी खलील ने 50 साल छोटी लड़की से चौथा निकाह कर लिया। उनकी उम्र 70 जबकि, लड़की की सिर्फ उम्र 20 साल है। तीन पत्नियों से उनके 11 बच्चे हैं। सपा नेता के इस निकाह से उनकी दूसरी पत्नी नाजरीन नाराज हैं। उन्होंने एडिशनल पुलिस कमिश्नर से शिकायत में कहा- पति हर पत्नी से बच्चे पैदा करता है, फिर कुछ समय बाद छोड़ देता है।

13. लखनऊ पहुंचे विराट कोहली, इकाना में आज एलएसजी का आरसीबी से मुकाबला

आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम सोमवार देर शाम राजधानी लखनऊ पहुंच गई। टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ब्लैक टी-शर्ट में एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए। मंगलवार को इकाना स्टेडियम में बेंगलुरु के खिलाड़ी प्रैक्टिस करने उतरे। आज इकाना स्टेडियम में मेजबान लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से आरसीबी का मुकाबला होना है।

14. कांग्रेस नेता के घर के बाहर फेंका 50 क्विंटल कूड़ा, मुजफ्फरनगर में 2 लाख टैक्स बकाया था

मुजफ्फरनगर में नगर पालिका कर्मचारियों ने कांग्रेस नेता के घर के बाहर कूड़े का ढेर लगा दिया। कर्मचारी 3 ट्रालियों में भरकर कूड़ा लाए और उसे जमील के घर के बाहर ढेर कर दिया। इसके बाद नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन भी किया। कूड़ा नहीं हटाने पर जमील अंसारी ने फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस कर्मी वहां पहुंचे, तो कर्मचारियों की उनसे भी झड़प हो गई।

मिसाइल अटैक से विदेश में फंसी अमीषा पटेल भारत लौटीं,कहा- दुआओं के लिए शुक्रिया, 24 घंटे की देरी के बाद मुंबई पहुंचीं फ्लाइट

मुंबई। एक्ट्रेस अमीषा पटेल आखिरकार सुरक्षित मुंबई लौट आई हैं। वह न्यूयॉर्क से मुंबई की यात्रा कर रही थीं, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में हुए मिसाइल हमलों के कारण यूएई (यूएई) का एयरस्पेस अचानक बंद कर दिया गया। इस वजह से उनकी फ्लाइट को बीच रास्ते से ही ओमान के मस्कट शहर की ओर डायवर्ट करना पड़ा। वहां करीब 24 घंटे से ज्यादा समय तक फंसे रहने के बाद वह सोमवार को अपने घर पहुंचीं। दुबई लैंडिंग से ठीक पहले मिली हमले की सूचना अमीषा एमिरेट्स की फ्लाइट से न्यूयॉर्क से वाया दुबई होकर मुंबई आ रही थीं। जब उनका प्लेन दुबई में लैंड करने ही वाला था, तभी यूएई अथॉरिटीज ने हवाई क्षेत्र को पूरी तरह बंद करने का आदेश जारी कर दिया। इसकी वजह क्षेत्र में हुए ताजा मिसाइल और ड्रोन हमले बताए जा रहे हैं। सुरक्षा कारणों से पायलट को फ्लाइट का रुख मस्कट की ओर मोड़ना पड़ा, जिससे यात्रियों के बीच काफी समय तक अनिश्चितता बनी रही।कहा- कब खत्म होगी जंग? अमीषा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपना यह तनावपूर्ण अनुभव शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'दुबई लैंड करने ही वाले थे कि मिसाइल हमलों की वजह से एयरस्पेस बंद हो गया। हमें मस्कट भेज दिया गया है और अब हम अगले अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। यह जंग कब खत्म होगी! मैं दुआ कर रही हूं।' उनके साथ डीजे चेतस और प्रोड्यूसर कुणाल गूमर भी यात्रा कर रहे थे। एयरपोर्ट लाउंज में लंबा समय बिताने के बाद उन्होंने एक फोटो शेयर कर बताया कि उन्हें सफर शुरू किए 24 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं। खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव से बिगड़े हालात मिसाइल हमलों की खबरों के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान और यूएई के बीच संघर्ष बढ़ने की वजह से तेल ठिकानों और अहम शिपिंग रूट्स को निशाना बनाया गया है। इसी के चलते एयरस्पेस बंद करना पड़ा, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ा। मुंबई पहुंचने के बाद अमीषा ने राहत की सांस ली और फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'आखिरकार मुंबई!!! आप सबकी दुआओं के लिए धन्यवाद।'

पूजा हेगड़े ने की थी विजय की जीत की भविष्यवाणी,व्हाइट बोर्ड पर बताया था कौन जीतेगा चुनाव-बोलीं- सच हो गया सपना

चेन्नई। थलापति विजय इन दिनों तमिलनाडु चुनाव में अपनी बड़ी जीत को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया पर एक पुराना वीडियो शेयर किया है। फिल्म 'जन नायकन' की शूटिंग के दौरान पूजा ने विजय की जीत की भविष्यवाणी की थी, जो अब सच साबित हो गई है।यह वीडियो फिल्म 'जन नायकन' के सेट का है। वीडियो में एक व्हाइटबोर्ड दिख रहा है, जिस पर लिखा है 'चुनाव कौन जीतेगा?' (Who Will Win the Election?)। पूजा हेगड़े पहले बोर्ड पर लिखा यह सवाल दिखाती हैं और फिर धीरे से कैमरा पीछे खड़े विजय की ओर घुमा देती हैं। कैमरा देखते ही विजय शर्मा जाते हैं और हंसते हुए अपना चेहरा छिपा लेते हैं। 4 मई को आए चुनाव नतीजों में पहली बार चुनाव लड़ने वाली विजय की पार्टी टीवीके ने 108 सीटें जीती हैं। बहुमत के लिए 118 सीटें चाहिए। टीवीके को सरकार बनाने के लिए 10 सीटों की जरूरत है।पूजा ने लिखा- 'होने से पहले ही कह दिया था' इस पुराने वीडियो को शेयर करते हुए पूजा ने कैप्शन में लिखा, 'शायद मैंने इसके होने से पहले ही यह कह दिया था? सपनों के हकीकत में बदलने के लिए बधाई, विजय सर।' पूजा के इस पॉजिटिव मैसेज की लोग काफी तारीफ कर रहे हैं। फैंस का कहना है कि दोनों के बीच की केमिस्ट्री ऑन-स्क्रीन के साथ-साथ ऑफ-स्क्रीन भी काफी शानदार है। 'बीस्ट' के बाद फिर जमी जोड़ी पूजा हेगड़े और थलपति विजय इससे पहले फिल्म 'बीस्ट' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म 'जन नायकन' उनकी साथ में दूसरी बड़ी फिल्म है। सोशल मीडिया पर फैंस इस थ्रोबैक वीडियो को विजय के नए सफर से जोड़कर देख रहे हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड स्टार्स दे रहे बधाई विजय की इस नई पारी और सफलता पर फिल्म इंडस्ट्री के कई दिग्गज उन्हें बधाई दे रहे हैं। इनमें रजनीकांत, कमल हासन, सूर्या, सिलंबरासन, लोकेश कनगराज, चिरंजीवी और राम चरण जैसे बड़े नाम शामिल हैं। सोशल मीडिया पर हैशटैग #ThalapathyVijay लगातार ट्रेंड कर रहा है।

पलाश मुछाल पर मुक़दमा दर्ज,स्मृति मंधाना के दोस्त का आरोप- 25 लाख रुपए नहीं लौटाए, स्मृति से टूट चुकी शादी

मुंबई। म्यूजिक कंपोजर और फिल्म मेकर पलाश मुछाल के खिलाफ महाराष्ट्र के सांगली में केस दर्ज हुआ है। उन पर एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह शिकायत भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना के बचपन के दोस्त विज्ञान प्रकाश माने ने दर्ज कराई है। पलाश पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने और धोखाधड़ी का आरोप है। टोल प्लाजा पर हुआ विवाद पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना 22 नवंबर को सांगली-आष्टा रोड पर स्थित एक टोल प्लाजा के पास हुई। शिकायतकर्ता विज्ञान माने का आरोप है कि एक बहस के दौरान पलाशमुछाल ने उनके खिलाफ अपमानजनक और जातिसूचक टिप्पणी की। पुलिस ने इस मामले में एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1) के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) और 352 के तहत केस दर्ज किया है। 25 लाख रुपए का लेन-देन है विवाद की जड़ मामले की जांच कर रही पुलिस ने बताया कि यह पूरा विवाद पैसों के लेन-देन से जुड़ा है। आरोप है कि पलाश मुछाल ने एक फिल्म प्रोडक्शन प्रोजेक्ट के नाम पर विज्ञान माने से 25 लाख रुपए लिए थे। पलाश ने वादा किया था कि फिल्म छह महीने में पूरी हो जाएगी। जब लंबे समय तक प्रोजेक्ट पर काम नहीं हुआ, तो विज्ञान ने अपने पैसे वापस मांगने शुरू किए। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हुई थी। शिकायतकर्ता बोले- पलाश ने धोखा दिया विज्ञान माने ने मीडिया से बातचीत में अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा, 'पलाश ने मुझे भरोसा दिलाया था कि फिल्म जल्द पूरी होगी, लेकिन वह धोखेबाज निकला। जब मैंने अपने पैसे मांगे, तो वह बात को टालने लगा। जब मैंने उसे टोका, तो उसने बहुत ही गंदी भाषा का इस्तेमाल किया। मैं उन शब्दों को कैमरे पर दोहरा भी नहीं सकता। उसका बर्ताव बहुत ही परेशान करने वाला है।' स्मृति मंधाना से टूटा था रिश्ता इससे पहले पलाश पर स्मृति को धोखा देने के आरोप भी लग चुके हैं। पलाश मुछाल और स्मृति मंधाना लंबे समय तक रिलेशनशिप में थे। दोनों की सगाई हो चुकी थी और चर्चा थी कि नवंबर 2025 में सांगली में ही दोनों शादी के बंधन में बंधेंगे। हालांकि, कुछ समय पहले ही दोनों ने सोशल मीडिया पर अपने अलग होने की जानकारी दी थी।

शशि शेखर वेम्पति बने सेंसर बोर्ड के नए चेयरपर्सन,प्रसार भारती के सीईओ रहे, 2026 में पद्म श्री सम्मान भी मिल चुका

मुंबई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मीडिया एक्सपर्ट शशि शेखर वेम्पति को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) यानी सेंसर बोर्ड का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया है। वेम्पति प्रसार भारती के सीईओ के रूप में अपना 5 साल का कार्यकाल पहले ही पूरा कर चुके हैं। वेम्पति को को इसी साल जनवरी में पद्म श्री सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है। वहीं सेंसर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष प्रसून जोशी को प्रसार भारती का नया सीईओ बनाया गया है। सरकार ने सेंसर बोर्ड और प्रसार भारती के अध्यक्षों की अदला बदली की है। कौन हैं शशि शेखर वेम्पति जून 2017 में प्रसार भारती का कार्यभार संभालने वाले वेम्पति इतिहास में सबसे कम उम्र के और पहले ऐसे प्रमुख थे जो सिविल सर्वेंट नहीं थे। आईआईटी बॉम्बे के पूर्व छात्र वेम्पति ने अपने 5 साल के कार्यकाल के दौरान राज्यसभा टीवी के सीईओ की जिम्मेदारी भी संभाली थी। प्रसार भारती से पहले वे इंफोसिस और डिजिटल न्यूज स्टार्टअप 'नीति डिजिटल' से जुड़े रहे और साल 2024 में वे बीएआरसी के बोर्ड में प्रोफेशनल डायरेक्टर के रूप में शामिल हुए। प्रसार भारती के सीईओ रहते हुए उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के आधुनिकीकरण में अहम भूमिका निभाई थी। वेम्पति के इसी अनुभव और देश के प्रति उनके योगदान को देखते हुए जनवरी 2026 में उन्हें सरकार ने 'पद्म श्री' सम्मान से भी सम्मानित किया। संतुलन बनाना होगी मुख्य चुनौती सीबीएफसी भारत में फिल्मों को प्रमाणित करने वाली सबसे बड़ी संस्था है। बोर्ड का मुख्य काम फिल्मों को उम्र के हिसाब से रेटिंग देना और यह सुनिश्चित करना है कि कंटेंट सामाजिक रूप से संवेदनशील हो। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद वेम्पति के सामने सबसे बड़ी चुनौती सर्टिफिकेशन प्रक्रिया को और भी पारदर्शी और तेज बनाना होगी। फिल्म निर्माताओं और बोर्ड के बीच अक्सर होने वाले विवादों को सुलझाना भी उनकी प्राथमिकता रहेगी। क्या है सीबीएफसी और इसका काम? सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) एक वैधानिक संस्था है, जो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत काम करती है। सिनेमाघरों और टेलीविजन पर दिखाई जाने वाली किसी भी फिल्म के लिए इस बोर्ड से सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य होता है। बोर्ड फिल्मों को 'यू', 'यूए', 'ए' और 'एस' जैसी श्रेणियों में बांटता है, जिससे दर्शकों को पता चलता है कि फिल्म किस आयु वर्ग के लिए है।

'टॉक्सिक' से खुद के बोल्ड सीन्स हटाने की खबरों को बताया बकवास-कियारा आडवाणी

मुंबई। फिल्म में यश का डबल रोल गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में यश 'राया' और 'टिकट' नाम के दो अलग-अलग किरदारों (डबल रोल) में नजर आएंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी के किरदार का नाम 'नादिया' है। इस गैंगस्टर ड्रामा में नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे स्टार्स भी अहम भूमिकाओं में हैं। बार-बार टल रही है फिल्म की रिलीज डेट रिलीज की बात करें तो 'टॉक्सिक' के दर्शकों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। फिल्म पहले 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 2026 कर दिया गया। इसके बाद 19 मार्च 2026 की तारीख सामने आई, जिसे पश्चिम एशिया के हालातों और फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ क्लैश से बचने के लिए फिर टाल दिया गया। लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक, फिल्म अब 4 जून 2026 को भी रिलीज नहीं हो रही है। मेकर्स जल्द ही नई फाइनल डेट का एलान कर सकते हैं।

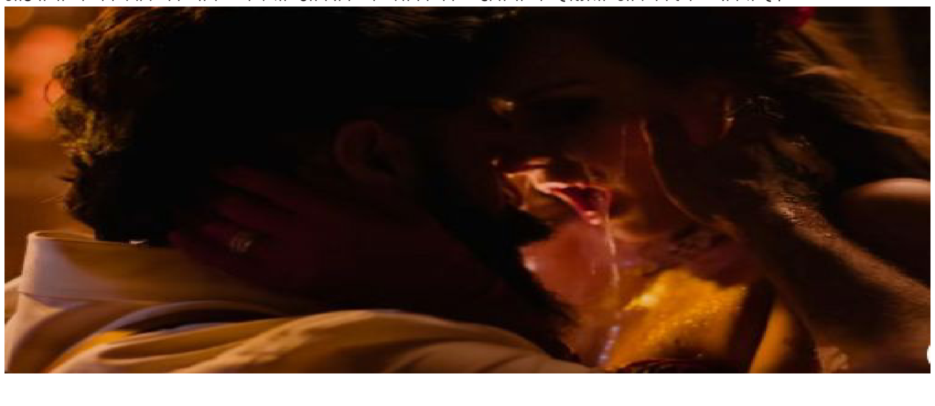

प्रेग्नेंसी में बढ़ता गॉल ब्लेडर स्टोन का खतरा,जानें बचाव के तरीके

जयपुर। गॉल ब्लैडर शरीर का एक छोटा लेकिन बहुत जरूरी ऑर्गन है। ये पित्त को स्टोर करता है और पाचन में मदद करता है। लेकिन महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में होने वाले हॉर्मोनल बदलाव गॉल ब्लैडर के काम करने के तरीके को प्रभावित कर सकते हैं। इसी कारण प्रेग्नेंसी में कुछ महिलाओं में गॉल ब्लैडर स्टोन बनने का खतरा बढ़ जाता है। 'द जर्नल ऑफ ओबोस्ट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया' में पब्लिश स्टडी के मुताबिक, प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में होने वाले हॉर्मोनल और मेटाबॉलिक बदलाव गॉलब्लैडर स्टोन का खतरा काफी बढ़ा देते हैं। ऐसे में ये समझना जरूरी है कि आखिर ऐसा क्यों होता है। विषय को बारीकी से समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- डॉ. पंखुड़ी गौतम, सीनियर कंसल्टेंट, आब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, कोकून हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ। सवाल- गॉलब्लैडर का हमारे शरीर में क्या काम है? जवाब- गॉलब्लैडर का मुख्य काम लिवर द्वारा बनाए गए बाइल जूस (पित्त) को जमा करना होता है। यह बाइल जूस खाना पचाने में शरीर की मदद करता है। इसलिए जब हम खाना खाते हैं तो गॉलब्लैडर बाइल जूस रिलीज करता है। यह खासतौर पर फैट को एनर्जी में बदलने में मदद करता है। कुल मिलाकर गॉलब्लैडर पाचन तंत्र का एक छोटा लेकिन अहम हिस्सा है। सवाल- गॉलब्लैडर स्टोन क्यों होता है? जवाब- कुछ कंडीशंस में गॉलब्लैडर में जमा हो रहा बाइल जूस बाहर नहीं निकल पाता, जिसके कारण स्टोन की समस्या हो सकती हैं। इसके कई कारण हैं- जब बाइल जूस लंबे समय तक गॉलब्लैडर में जमा रहता है, यह पूरी तरह खाली नहीं हो पाता है। जब बाइल जूस का फ्लो बहुत धीमा हो जाता है। जब शरीर जरूरत से ज्यादा कोलेस्ट्रॉल बनाता है, यह गॉलब्लैडर में जमा हो जाता है। इन कंडीशंस में बाइल जूस और कोलेस्ट्रॉल आपस में मिलकर छोटे-छोटे ठोस कण बना लेते हैं, जो आगे चलकर पथरी का रूप ले सकते हैं। सवाल- महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान और बाद में गॉलब्लैडर स्टोन क्यों विकसित होते हैं? जवाब- प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के बाद महिलाओं में गॉलस्टोन की मुख्य वजह हॉर्मोनल बदलाव हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टेरोन हॉर्मोन का लेवल बढ़ जाता है। ये हॉर्मोन जरूरी होते हैं, लेकिन पित्त का संतुलन प्रभावित करते हैं। एस्ट्रोजेन पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ा देता है।

प्रोजेस्टेरोन गॉलब्लैडर की मसल्स को सॉफ्ट कर देता है। इसके कारण गॉलब्लैडर से पित्त निकलने में मुश्किल होती है। लंबे समय तक गॉलब्लैडर में पित्त जमा रहने से ये कोलेस्ट्रॉल के साथ मिलकर क्रिस्टल बनाने लगता है। ये क्रिस्टल धीरे-धीरे सख्त होकर गॉलस्टोन में बदल जाते हैं। सवाल- महिलाओं में गॉलब्लैडर स्टोन विकसित होने के रिस्क फैक्टर्स क्या हैं? जवाब- कुछ कंडीशंस महिलाओं में गॉलब्लैडर स्टोन का रिस्क बढ़ा सकती हैं। सवाल- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलब्लैडर प्रॉब्लम के क्या लक्षण होते हैं? जवाब- कई मामलों में गॉलस्टोन होने पर कोई लक्षण नहीं दिखता है। इन्हें 'साइलेंट गॉलस्टोन' कहा जाता है। इसके कारण गॉलब्लैडर के कामकाज में बहुत फर्क भी नहीं पड़ता है। लेकिन कुछ मामलों में गॉलब्लैडर में अचानक असहनीय दर्द भी हो सकता है। ये लक्षण अक्सर तीसरी तिमाही या प्रसव के बाद ज्यादा दिखते हैं। ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। सवाल- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलब्लैडर स्टोन का इलाज कैसे किया जाता है? जवाब- अगर प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलस्टोन डायग्नोज हुआ है, लेकिन कोई लक्षण नहीं दिख रहा है तो आमतौर पर इलाज की जरूरत नहीं होती है। हालांकि, डॉक्टर इसे लगातार मॉनीटर करते हैं, ताकि भविष्य में कोई लक्षण उभरे तो समय पर इलाज किया जा सके।

अगर लक्षण गंभीर हैं या किसी कॉम्पलिकेशन का रिस्क है तो तुरंत इलाज जरूरी होता है। अगर दर्द बहुत ज्यादा है तो 'गॉलब्लैडर रिमूवल सर्जरी' की जरूरत पड़ सकती है। सवाल- प्रेग्नेंसी में गॉलब?लैडर स?टोन होने पर कि?न बातों का ख?याल रखें? जवाब- प्रेग्नेंसी में गॉलब्लैडर स्टोन होने पर खानपान से लेकर लाइफस्टाइल तक ज्यादा सावधानी रखनी पड़ती है।

कुछ छोटे बदलाव करके गॉलब्लैडर स्टोन से जुड़े लक्षणों को कंट्रोल किया जा सकता हैं। पॉइंटर्स से समझते हैं- ऑयली फूड न खाएंः भारी और ऑयली फूड न खाएं। ज्यादा फैट और तला-भुना खाना गॉलब्लैडर पर दबाव डालता है, जिससे दर्द बढ़ सकता है।फाइबर से भरपूर डाइट लेंः अपनी डाइट में फल, हरी सब्जियां, दालें और साबुत अनाज शामिल करें।

फाइबर न केवल पाचन को दुरुस्त रखता है, बल्कि स्टोन की समस्या में भी राहत देता है। एक साथ ज्यादा न खाएंः पेट भरकर एक बार में खाने की बजाय, दिन भर में छोटे-छोटे मील लें। इससे पाचन तंत्र पर बोझ नहीं पड़ता और दर्द का खतरा कम हो जाता है। हाइड्रेटेड रहेंः शरीर को हमेशा हाइड्रेटेड रखें। पर्याप्त पानी पीने से पित्त (बाइल) पतला रहता है, जिससे गॉलब्लैडर में सूजन और जलन की आशंका कम हो जाती है। स्ट्रेस मैनेज करेंः प्रेग्नेंसी में तनाव हॉर्मोनल संतुलन बिगाड़ सकता है, जिसका असर गॉलब्लैडर पर भी पड़ता है। मन शांत रखने के लिए योग, मेडिटेशन करें।

सवाल- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलब्लैडर स्टोन को कैसे रोका जा सकता है? जवाब- प्रेग्नेंसी के दौरान गॉलस्टोन से बचाव का सबसे अच्छा तरीका हेल्दी लाइफस्टाइल और समय-समय पर हेल्थ चेकअप है। इससे शुरुआती स्टेज में ही स्टोन का पता चल सकता है।

अगर स्टोन पहले से है, तो सिर्फ डाइट बदलने से स्टोन खत्म नहीं होते, लेकिन लक्षणों को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।